E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक-17 | प्रयागराज, शनिवार 21 मार्च, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नेतन्याहू बोले- मैं जिंदा हूं,- ईरान की लीडरशिप खत्म, अब वह दुनिया को ब्लैकमेल नहीं कर सकता

वॉशिंगटन डीसी। मिडिल-ईस्ट में जारी जंग के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी मौत की अफवाहों का खंडन किया। उन्होंने गुरुवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, 'मैं जिंदा हूं।' नेतन्याहू ने दावा किया कि बीते 20 दिनों में अब ईरान के पास यूरेनियम इनरिच करने या बैलिस्टिक मिसाइलें बनाने की कोई क्षमता नहीं बची है। उन्होंने कहा, 'हम जीत रहे हैं और ईरान बर्बाद हो रहा है। ईरान के 100 से ज्यादा मिसाइल लॉन्चर तबाह किए। साथ ही हथियार बनाने वाली कई फैक्ट्रियां भी नष्ट किए। ' उन्होंने आगे कहा, 'हम ईरान पर चौतरफा हमले कर रहे हैं और वह अब दुनिया को ब्लैकमेल नहीं कर सकता है। उसकी लीडरशिप खत्म हो चुकी है।' नेतन्याहू के बयान की 7 बड़ी बातें- मैं जिंदा हूं और आप सब इसके गवाह हैं। शायद मौत की अफवाहों का जवाब देने के लिए। 20 दिनों के युद्ध के बाद ईरान के पास अब यूरेनियम संवर्धन की क्षमता नहीं बची है और बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की भी क्षमता खत्म हो गई है। वे इसे पूरी तरह नष्ट करने तक जारी रखेंगे। हमने युद्ध के तीन टारगेट रखे। इसमें ईरान का न्यूक्लियर खतरा खत्म करना, बैलिस्टिक मिसाइल खतरा हटाना, ईरानी लोगों के लिए आजादी की स्थितियां बनाना। अमेरिका और

इजराइल मिलकर ईरान को तबाह कर रहे हैं। हम जीत रहे हैं। ईरान की लीडरशिप में दरारें आ रही हैं। ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड से जुड़े प्रोसेसिंग प्लांट पर हमला इजराइल ने अकेले किया था और इसमें अमेरिका शामिल नहीं था। ट्रम्प अपनी मर्जी से जंग में साथ आए। क्या कोई सच में सोचता है कि किसी से ट्रम्प को कुछ करने को कहा जा सकता है? रेजीम चेंज के लिए सिर्फ हवाई हमले काफी नहीं, जमीन पर कार्रवाई भी जरूरी हो सकता है, लेकिन ईरानी लोगों को खुद उठना होगा। ईरान बोला- अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट को नुकसान पहुंचाया। जंग के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि उसने अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट पर हमला कर उसे नुकसान पहुंचाया। आईआरजीसी ने इस हमले का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें जेट को निशाना बनाते हुए दिखाया गया है। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्वीकार किया कि एक एफ-35 जेट को ईरान के ऊपर मिशन के दौरान इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान को मिडिल-ईस्ट के किसी देश में उतारा गया है।एनर्जी एक्सपर्टस के मुताबिक, कतर के रास लाफान एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) प्लांट पर हुए हमले का वैश्विक गैस कीमतों पर बड़ा असर पड़ सकता है। पेरिस के सेंटर ऑन ग्लोबल एनर्जी पॉलिसी की विशेषज्ञ ऐन-सोफी कॉर्बो ने अल जजीरा से कहा कि इस हमले के बाद प्लांट की मरम्मत में काफी समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि अभी नुकसान का पूरा आकलन नहीं हुआ है, लेकिन पिछले अनुभवों के आधार पर इसे ठीक करने में महीनों लग सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि 2022 में अमेरिका के फ्रीपोर्ट एलएनजी प्लांट में हादसे के बाद वह 8 महीने तक बंद रहा था। वहीं, नॉर्वे के स्नोह्विट प्लांट में 2020 में आग लगने के बाद उसे फिर से शुरू होने में करीब डेढ़ साल लगे थे। कॉर्बो के अनुसार, अगर स्थिति ज्यादा खराब रही तो रास लाफान प्लांट 2026 तक पूरी तरह से चालू नहीं हो पाएगा। इसका मतलब है कि 2026 में एलएनजी की सप्लाई लगभग 2021 के स्तर के बराबर रह सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह स्थिति दुनिया के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है और गैस की कीमतों पर इसका बहुत बड़ा असर पड़ेगा।

पाकिस्तान में सरकारी कर्मचारियों की तनखा में 30फीसदी तक कटौती,नई गाड़ी लेने पर भी रोक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बढ़ते फ्यूल संकट के बीच सरकार ने खर्च कम करने के लिए कई बड़े फैसले किए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि सरकारी कंपनियों और सरकार के अधीन स्वायत्त संस्थानों के कर्मचारियों की सैलरी में 5फीसदी से 30फीसदी तक कटौती की जाएगी। सरकार का कहना है कि इन कदमों से जो पैसा बचेगा, उसे लोगों को राहत देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि अगले दो महीनों तक सरकारी गाड़ियों के लिए फ्यूल का इस्तेमाल 50फीसदी तक कम किया जाएगा और करीब 60फीसदी सरकारी वाहनों को सड़कों से हटा दिया जाएगा। इसके अलावा नई सरकारी गाड़ियां खरीदने पर रोक लगा दी गई है। मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के विदेशी दौरों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है और सरकारी मीटिंग में मिलने वाली फीस भी खत्म करने का फैसला किया गया है।दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ने के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत करीब 55 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ गई है।

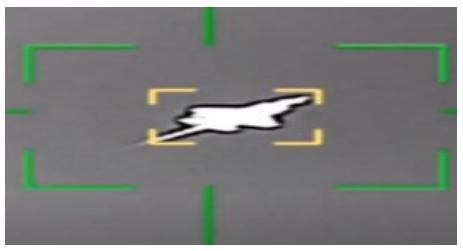

ईरान बोला- अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट को नुकसान पहुंचाया:हमले का वीडियो जारी किया

तेहरान। जंग के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि उसने अमेरिकी एफ-35 फाइटर

जेट पर हमला कर उसे नुकसान पहुंचाया। आईआरजीसी ने इस हमले का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें जेट को निशाना बनाते हुए दिखाया गया है। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्वीकार किया कि एक एफ-35 जेट को ईरान के ऊपर मिशन के दौरान इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान को मिडिल-ईस्ट के किसी देश में उतारा गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स के मुताबिक, विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है और पायलट सुरक्षित है। घटना की जांच जारी है। हालांकि अमेरिका ने सीधे तौर पर ईरानी हमले की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार, यह पहली बार हो सकता है जब इस जंग के दौरान ईरान ने किसी अमेरिकी सैन्य विमान को निशाना बनाया हो। एफ -35 दुनिया के सबसे एडवांस लड़ाकू विमानों में गिना जाता है और इसकी कीमत 100 मिलियन डॉलर से अधिक होती है।उधर, इजराइली पीएम नेतन्याहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि अभी मैं जिंदा हूं और ये जंग हम जीत रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ईरान बर्बादी की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमने 20 दिनों के युद्ध में सफलता हासिल की है। तेहरान में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जब एयर डिफेंस सिस्टम ने अमेरिका और इजराइल के ड्रोन को निशाना बनाकर उन्हें रोकने की कोशिश की। रिपोर्ट्स के अनुसार, शहर के कई हिस्सों में धमाकों की आवाजें गूंजीं। बताया जा रहा है कि ये कार्रवाई आने वाले ड्रोन हमलों को रोकने के लिए की गई, हालांकि नुकसान या हताहतों की अभी पुष्टि नहीं हुई है।ऑस्ट्रेलिया की सरकार गैस निर्यात पर टैक्स लगाने पर विचार कर रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ने से देश में ईंधन महंगा हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के कार्यालय का कहना है कि ऊर्जा कंपनियों को ऊंची वैश्विक कीमतों का फायदा उठाकर घरेलू उपभोक्ताओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई ग्रीन्स पार्टी की नेता लरिसा वॉटर्स ने भी सरकार को पत्र लिखकर कहा है कि वे गैस निर्यात पर कम से कम 25फीसदी टैक्स लगाने वाले कानून का समर्थन करेंगे। ऑस्ट्रेलिया दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) निर्यातकों में से एक है, लेकिन वहां अन्य देशों की तुलना में बड़ी ऊर्जा कंपनियों पर कम टैक्स लगाया जाता है।

कमजोर हो चुका ईरान युद्ध लंबा क्यों खींच रहा और फिर भी सरेंडर से इनकार

जंग को महंगा बनाकर दुश्मन को झुकाने की कोशिश में जुटा

तेल अवीव। ईरान इस समय अब तक के सबसे बड़े खतरे का

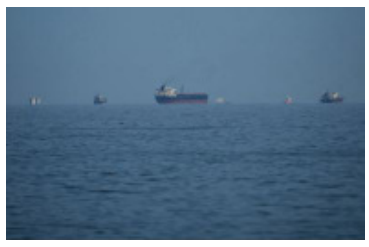

सामना कर रहा है। इसके बावजूद वह अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे संघर्ष को लंबा खींचने में लगा हुआ है। पिछले कुछ हफ्तों में ईरान को भारी नुकसान हुआ है। उसके कई बड़े नेता और सैन्य कमांड ढांचे के अहम लोग मारे गए हैं। इससे उसकी नेतृत्व व्यवस्था को गंभीर झटका लगा है। ईरान के अंदर भी हालात अच्छे नहीं हैं। लोगों को जरूरी सामान की कमी, बुनियादी ढांचे के नुकसान और सख्त सुरक्षा माहौल झेलना पड़ रहा है। इसके बावजूद ईरान की बची हुई लीडरशिप लगातार आक्रामक बयान दे रही है। वे यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि ईरान लंबे समय तक संघर्ष झेल सकता है। उन्हें और नेताओं के मारे जाने की परवाह नहीं है और वे इस युद्ध को लंबा खींचने के लिए तैयार हैं, चाहे इसका असर पूरे क्षेत्र और दुनिया पर क्यों न पड़े। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान का मकसद इस युद्ध में जीत हासिल करना नहीं है। उसका असली मकसद है अपने अस्तित्व को बचाना, दुश्मनों को डराना और ऐसी स्थिति बनाना जिसमें वह युद्ध के बाद की शर्तें तय कर सके। वह संघर्ष बढ़ा रहा है ताकि बाकी देशों के लिए इसे जारी रखना बहुत महंगा हो जाए और वे समझौता करने पर मजबूर हो जाएं।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान से सरेंडर करने को कहा है, लेकिन ईरान खुद को मजबूत स्थिति में दिखा रहा है। वह कह रहा है कि वह इस संघर्ष में टिके रहने में सफल रहा है और अब शांति के लिए अपनी शर्तें रख रहा है।ईरान चाहता है कि युद्ध खत्म होने के बाद क्षेत्र में नई व्यवस्था बनाई जाए। वह युद्ध के नुकसान की भरपाई (मुआवजा) भी मांग रहा है और खाड़ी देशों और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों में बदलाव चाहता है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

चीन जा रहा रूसी तेल का जहाज अब भारत की ओर मुड़ा, 21 मार्च को पहुंचेगा

नयी दिल्ली। रूस का एक तेल टैंकर, जो पहले चीन जा रहा था, अब रास्ता बदलकर भारत आ

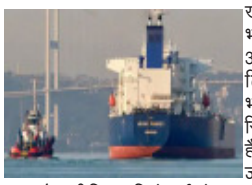

रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'एक्वा टाइटन' नाम का यह जहाज रूस के बाल्टिक सागर से तेल लेकर निकला था और उसे चीन के रिजाओ पोर्ट जाना था। लेकिन मार्च के बीच में साउथ चाइना सी पहुंचते ही इसने अपना रास्ता बदल लिया और अब यह 21 मार्च को न्यू मैंगलोर पहुंचने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक यह बदलाव इसलिए हुआ क्योंकि भारत ने अचानक रूस से तेल खरीदना बढ़ा दिया है। असल में, ईरान में चल रहे युद्ध की वजह से मिडिल ईस्ट से आने वाली तेल सप्लाई पर असर पड़ा है। इसी बीच अमेरिका ने भारत को कुछ समय के लिए रूस से ज्यादा तेल खरीदने की छूट दे दी। इसके बाद भारत ने सिर्फ एक हफ्ते में करीब 3 करोड़ बैरल रूसी तेल खरीद लिया।अब हालत यह है कि भारत की लगभग सभी बड़ी रिफाइनरियां रूसी तेल खरीद रही हैं। इसी वजह से कई जहाज, जो पहले चीन जा रहे थे, अब अपना रास्ता बदलकर भारत की तरफ आ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 7 टैंकर ऐसा कर चुके हैं।इसी तरह 'जौजू एन' नाम का एक और टैंकर, जो रूस के ब्लैक सी से कजाखिस्तान का तेल लेकर चीन जा रहा था, उसने भी अपना रास्ता बदल लिया है और अब भारत के सिक्का पोर्ट की तरफ आ रहा है। माना जा रहा है कि आगे चलकर जापान और साउथ कोरिया जैसे देश भी फिर से रूस से तेल खरीदना शुरू कर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो तेल की कीमतों पर असर पड़ सकता है।

पाकिस्तान को सस्ता तेल देने को तैयार रूस बोला- वो खुद बात करे,पाक के पास अब सिर्फ 10 दिन का ऑयल रिजर्व

इस्लामाबाद।पाकिस्तान में रूसी राजदूत अल्बर्ट खोरेव ने कहा

है कि रूस पाकिस्तान को सस्ता तेल देने के लिए तैयार है। लेकिन अभी तक पाकिस्तान की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक मांग नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान खुद पहल करता है, तो रूस उसे कम कीमत पर तेल सप्लाई कर सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूसी कच्चे तेल की कीमत करीब 70 से 76 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यही कीमत 95 से 105 डॉलर प्रति बैरल के बीच है। वहीं, पाकिस्तान के पेट्रोलियम सचिव ने संसद की एक समिति को बताया कि देश के पास फिलहाल सिर्फ 10 दिन का कच्चा तेल बचा है। वहीं, पेट्रोल 321 पाकिस्तानी रुपए और डीजल 335 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।पाकिस्तान सरकार ईरान से बात कर रही है ताकि होर्मुज स्ट्रेट से तेल लाने की इजाजत मिल सके। अगर मंजूरी मिलती है, तो पाकिस्तान के चार जहाज इस रास्ते से तेल ला सकते हैं। साथ ही अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि 14 अप्रैल के बाद देश में गैस की भारी कमी हो सकती है, क्योंकि एलएनजी की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। पाकिस्तान का करीब 70फीसदी तेल मिडिल ईस्ट से आता है, लेकिन जंग के कारण शिपिंग रूट और सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। तेल की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं। डीजल की कीमत 88 डॉलर से बढ़कर 187 डॉलर और पेट्रोल 74 डॉलर से बढ़कर 130 डॉलर तक पहुंच गया है। पहले जहां तेल 4-5 दिन में पहुंच जाता था, अब रेड सी के रास्ते आने में करीब 12 दिन लग रहे हैं।अधिकारियों ने यह भी बताया कि कतर से आने वाली गैस सप्लाई लगभग बंद हो गई है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

केन्या में 2000 से ज्यादा जिंदा चींटियों के तस्करी की कोशिश, चीनी नागरिक समेत दो आरोपी गिरफ्तार

नैरोबी। केन्या में एक चीनी नागरिक और उसके केन्याई साथी

पर जंगली जीवों की अवैध तस्करी का मामला दर्ज किया गया है। दोनों को तब पकड़ा गया जब वे 2,000 से ज्यादा जिंदा 'क्वीन गार्डन चींटियों' को देश से बाहर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। राजधानी नैरोबी के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पिछले हफ्ते झांग केकुन नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों को उसके सामान में बड़ी संख्या में चींटियां मिलीं। हर चींटी को या तो टेस्ट ट्यूब में रखा गया था या फिर टिशू पेपर में लपेटा गया था। मंगलवार को नैरोबी की अदालत में बताया गया कि झांग ने ये चींटियां चार्ल्स मवांगी नाम के व्यक्ति से खरीदी थीं। उसने हर 100 चींटियों के लिए 10,000 केन्याई शिलिंग (करीब 77 डॉलर) दिए थे। केन्या के अधिकारियों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि यूरोप और एशिया में गार्डन चींटियों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जहां लोग इन्हें पालतू के तौर पर रखते हैं। हालांकि यह साफ नहीं है कि झांग भी इन्हें इसी मकसद से ले जा रहा था, लेकिन उसका सामान चीन भेजा जाना था। दोनों आरोपियों पर आपराधिक साजिश का भी मामला दर्ज किया गया है और फिलहाल वे हिरासत में हैं। मवांगी पर एक और मामला भी दर्ज है, क्योंकि एक अलग घटना में उसके पास से और जिंदा चींटियां मिली थीं। नैरोबी के मीडिया के अनुसार, दोनों ने अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत बताया है। झांग के वकील डेविड लुस्वेटी ने कहा कि दोनों को यह पता नहीं था कि वे कानून तोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा कि वे इन चींटियों को विदेश में बेचकर अपनी आजीविका चला सकते हैं। दोनों को 27 मार्च को फिर से अदालत में पेश किया जाएगा। केन्या वाइल्डलाइफ सर्विस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले बीबीसी को बताया था कि जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है और इस मामले में और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। पिछले साल मई में भी केन्या की एक अदालत ने चार लोगों को एक साल की जेल या 7,700 डॉलर के जुर्माने की सजा दी थी। वे भी हजारों जिंदा क्वीन चींटियों की तस्करी करने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें यूरोप और एशिया के कलेक्टर्स के लिए भेजा जाना था।

होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान ने 17 करोड़ वसूले,तेल टैंकर को समुद्र में दिया सुरक्षित रास्ता,भारत के 22 जहाज अभी भी फंसे

तेहरान। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरने की

अनुमति देने के बदले एक निजी तेल टैंकर कंपनी से 20 लाख डॉलर (17 करोड़ रुपए) लिए। हालांकि, ये जहाज किस देश का है इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। लॉयड्स लिस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने अपने समुद्री क्षेत्र में एक 'सुरक्षित रास्ता' बनाया है, जहां से केवल मंजूरी मिलने वाले जहाज ही गुजर सकते हैं। इसके बदले उनसे टैक्स लिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत, पाकिस्तान, इराक, मलेशिया और चीन जैसे कई देश अपने जहाजों के सुरक्षित गुजरने को लेकर सीधे ईरान से बात कर रहे हैं। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ध्ंइण) ने ऐसे जहाजों के लिए एक खास रजिस्ट्रेशन सिस्टम भी शुरू किया है, जिन्हें 'सुरक्षित मार्ग' दिया जाएगा। भारत भी अपने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए ईरान से बातचीत कर रहा है। भारत के 22 जहाज होर्मुज और उसके आसपास के समुद्री इलाके में फंसे हैं।लॉयड्स लिस्ट इंटेलिजेंस के मुताबिक, भारत का एक गैस टैंकर ईरान के लारक द्वीप के आसपास से होते हुए ईरानी जलक्षेत्र के जरिए गुजरा, ताकि उसकी पहचान की जांच की जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक सभी देशों के मिलाकर 9 जहाज इस कॉरिडोर से गुजर चुके हैं।

भागवत बोले- युद्ध स्वार्थी हितों का परिणाम,दुनिया को सद्भाव की जरूरत, संघर्ष की नहीं

सिर्फ भारत मानवता के नियम पर कायम

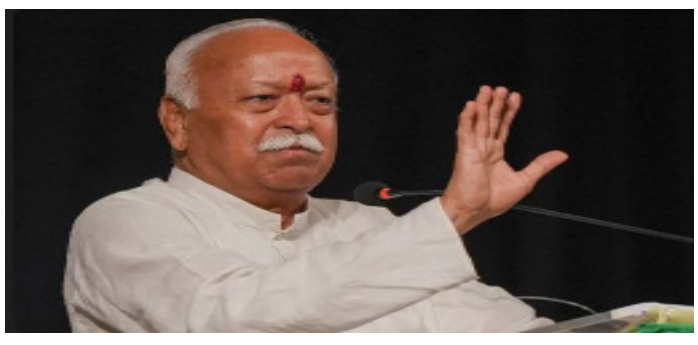

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में संघर्षों की असली वजह स्वार्थी हित और वर्चस्व की

चाहत है। स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म को मानने से ही हासिल की जा सकती है। भागवत नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- पिछले 2,000 सालों से दुनिया ने संघर्षों को सुलझाने के लिए कई विचारों पर प्रयोग किए हैं, लेकिन उन्हें बहुत कम सफलता मिली है। आरएसएस चीफ ने यह भी कहा कि भारत मानवता के नियम का पालन करता है, जबकि दुनिया के दूसरे देश 'योग्यतम की उत्तरजीविता' (सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट) में विश्वास रखते हैं।धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्म परिवर्तन और ऊंच-नीच की भावनाएं आज भी मौजूद हैं। भारत का प्राचीन ज्ञान हमें सिखाता है कि सभी आपस में जुड़े हुए हैं और एक हैं। धर्म केवल शास्त्रों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि लोगों के व्यवहार में भी झलकना चाहिए। अनुशासन और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए लगातार अभ्यास जरूरी है और इसमें अक्सर निजी परेशानियां भी आती हैं। आरएसएस को 86 संभागों में बांटने की बात कही, लेकिन तरीका नहीं बदलेगा-नागपुर में एक मराठी अखबार के 100 साल पूरे होने पर गुरुवार को भागवत ने बताया कि स्वयंसेवकों को मजबूत बनाने और काम बेहतर करने के लिए संगठन में बदलाव किए गए हैं। भागवत ने कहा कि आरएसएस का काम बहुत तेजी से बढ़ रहा है और लोगों की उम्मीदें भी बढ़ रही हैं, इसलिए अब काम को अलग-अलग हिस्सों में बांटने विकेंद्रीकरण की शुरुआत की जा रही है।उन्होंने कहा कि पहले आरएसएस में 46 प्रांत थे, अब इन्हें बढ़ाकर छोटी-छोटी इकाईयों यानी 86 संभागों में बांटा जाएगा, ताकि स्थानीय स्तर पर काम आसानी और अच्छे तरीके से हो सके। भागवत कहा कि संघ के काम करने का तरीका नहीं बदलेगा। दोस्ती बनाकर और अच्छे उदाहरण देकर समाज में बदलाव लाना ही संघ का मुख्य तरीका है, और यह आगे भी चलता रहेगा।

तेज बारिश से 5℃ तक गिरा तापमान किसानों की फसलों को नुकसान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जैसा की आधुनिक

समाचार ने गुरूवार के अंक में ही वर्षा और वङ्कापात के लिए अलर्ट किया था पर कुछ जगहों से वङ्कापात से दुर्घटना की खबरे आई हैं। बहादुरपुर क्षेत्र के चकिया घराहरा गांव में शुक्रवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। इस घटना में उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दो गायों की भी जान चली गई। घटना के समय 60 साल के किसान संग्राम यादव अपने घर के पास मौजूद थे। अचानक तेज गर्जना के साथ बिजली गिरी और वह उसकी चपेट में आ गए। हादसे में उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शुक्रवार सुबह भी तेज गड़गड़ाहट के साथ बारिश हुई। बमरौली, फाफामऊ, नैनी और तेलियरगंज जैसे इलाकों में सुबह से तेज बारिश हुई। कुछ जगहों पर तेज हवा के साथ बारिश होने से मौसम अचानक बदल गया और तापमान में करीब 5 से 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है।तेज हवा के चलते कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई, प्रयागराज के झूंसी, अंदावा, गोविंदपुर, तेलियरगंज समेत कई इलाकों में घंटों से बिजली गुल रही, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ

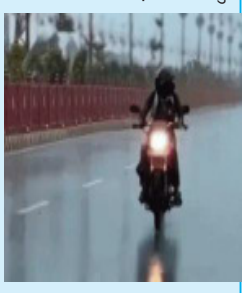

जगहों पर पेड़ की डालियां गिरने और तारों में फॉल्ट आने की भी सूचना है। पीलीभीत, अमरोहा, बिजनौर, मेरठ, भदोही, मिर्जापुर और प्रयागराज समेत कई जिलों में सुबह से तेज बारिश हुई। ग्रामीण इलाकों में तेज हवा के साथ बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

डीएम-एसपी ने ईद के दृष्टिगत विभिन्न मस्जिदों व प्रमुख मार्केट का किया भ्रमण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता

माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने ईद-उल-फितर त्यौहार के मद्देनजर एवं सुरक्षा के दृष्टिगत शहर के विभिन्न मस्जिदों व प्रमुख मार्केट का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आम जनमानस से त्यौहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि अफवाहों से दूर रहकर सभी जन पूर्व के भांति भाईचारा कायम रखने के साथ ही गंगा जमुनी तहजीब को भी कायम रखें। उन्होंने कहा कि त्योहार हम सभी के जीवन को हर्षोल्लास से भर देते हैं और हम सभी के जीवन में नवीनता और उमंगता का संचार करते हैं, सभी लोग आपसी भाईचारे व एकता का परिचय देते हुए प्रेम पूर्वक त्यौहार को मनाये। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में प्रतिदिन प्रशासन एवं पुलिस के द्वारा विभिन्न स्थानों पर रूट मार्च किया जा रहा है, जिससे त्यौहार को शांतिपूर्वक मनाया जा सके। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया है कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है, किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं होने दी जायेगी। जिलाधिकारी ने एसडीएम व सीओ से कहा कि ईद उल फितर के पर्व को सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाया जाने के लिए आम जनमानस को प्रेरित किया जाए। ईद का त्योहार हर वर्ष की भांति बहुत ही हर्षोल्लास शांति व भाईचारे के साथ मनाया जाता है। इस बार ईद के पर्व को सब हंसी खुशी के साथ मिलजुल कर मनाएं। उन्होंने कहा पर्व को देखते हुए मस्जिदों व ईदगाहों पर साफ-सफाई रखी जाए। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, क्षेत्राधिकारी नगर अरूण कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

शिक्षा के नाम पर खुली लूट बर्दाश्त नहीं - सुरेश सिंह, आम आदमी पार्टी ने दी सड़कों पर उतरने की चेतावनी

राज्य सभा सांसद संजय सिंह को सौंपा मांग-पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आम आदमी पार्टी के

जिला उपाध्यक्ष एवं सदर विधान सभा के प्रभारी सुरेश सिंह कोडरस ने लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय

में राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने रायबरेली सहित पूरे उत्तर प्रदेश में शिक्षा के नाम पर चल रही खुली लूट और भ्रष्टाचार का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। सुरेश सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि रायबरेली में इस समय शिक्षा के नाम पर बेशर्म लूट मची हुई है। तथाकथित शिक्षा माफिया अपने काले कारनामों को छुपाने और खुद को बचाने के लिए राजनीति की आड़ ले रहे हैं। अभिभावक अपने बच्चों का भविष्य बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर खून-पसीने की कमाई दे रहे हैं, लेकिन इन माफियाओं का पेट फिर भी नहीं भर रहा। यह स्थिति बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा कि अभिभावक खून के आंसू बहाने को मजबूर हैं, जबकि शिक्षा माफिया राजनीतिक संरक्षण में फल-फूल रहे हैं। अगर अभिभावकों का यह उत्पीड़न तुरंत नहीं रोका गया, तो आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर हर स्तर तक संघर्ष करने के लिए मजबूर होगा। श्री सिंह ने जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि इस गंभीर मुद्दे पर तुरंत ठोस कार्रवाई की जाए, अन्यथा हालात बिगड़ने की पूरी जिम्मेदारी सरकार और मुख्यमंत्री की होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से सीधा सवाल करते हुए कहा कि केवल दिखावटी छवि बनाना बंद करें। यदि वास्तव में जनहित की भावना है, तो आम जनता की मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता दें और शिक्षा माफियाओं पर सख्त से सख्त कार्रवाई करें।

जिला अपराध निरोधक समिति की यमुनानगर यूथ टीम ने पुलिस अधिकारियों व लोक गायकों को किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)प्रयागराज। नवरात्रि पर्व व हिंदू नव वर्ष के पावन अवसर पर

जिला अपराध निरोधक समिति की जमुना पार इकाई यूथ टीम ने सम्मान समारोह आयोजित किया। पुलिस अधिकारियों व सांस्कृतिक हस्तियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। नवरात्रि की धूम और हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में जिला अपराध निरोधक समिति के सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर जमुना पार यूथ टीम ने विशेष पहल की। टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों व लोक गायकों से मुलाकात कर बधाई दी तथा उनके योगदान की सराहना की। पुलिस-जनता समन्वय को मजबूत करने की पहल- टीम सदस्य शिव प्रताप सिंह, अश्वनी कुशवाहा, अजीत प्रताप सिंह व नीरज मिश्रा के साथ आधुनिक समाचार के पत्रकार श्रीकांत के साथ विभिन्न थानों का भ्रमण कर निम्नलिखित अधिकारियों को अंगवस्त्र, हनुमान चालीसा चिन्ह व पुष्प भेंट किए गए:एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह नैनी थाना प्रभारी बृजेश कुमार गौतम औद्योगिक थाना प्रभारी कमलेश पटेल करछना थाना प्रभारी प्रवीण कुमार गौतम एडीए चौकी प्रभारी अमित कुमार काशीराम प्रभारी रामानंद विश्वकर्मा छिवकी चौकी प्रभारी मनोज सिंह रामपुर चौकी प्रभारी सचिन वर्मा इन अधिकारियों के शांति-व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। लोक कलाकारों का भी सम्मान-समिति ने प्रयागराज की सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध करने वाले मशहूर लोक गायक 'मिश्रा बंधु' को भी सम्मानित किया। टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा ने कहा, 'पुलिस प्रशासन के साथ कलाकारों का सम्मान समाज की नैतिकता व संस्कृति को मजबूत करता है। हमारा उद्देश्य पुलिस-जनता के बीच विश्वास की कड़ी मजबूत कर अपराध मुक्त समाज बनाना है। साथ ही कौसर समन्वयक नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र ,श्रीकान्त शाह ब्यूरो प्रभारी नैनी आधुनिक समाचार से भी भेंट हुई।'यह आयोजन नवरात्रि व नव वर्ष की सकारात्मक ऊर्जा को अपराध निरोधक अभियान से जोड़ने की प्रेरणादायी मिसाल है।

डीएम ने जनगणना प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा,सम्बन्धित अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रशिक्षण कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता के साथ संपन्न हो - डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने आज जनगणना के लिए

कार्मिकों को दिये जा रहे प्रशिक्षण केन्द्र, पंचायत सभागार दरीबा का निरीक्षण कर जनगणना से सम्बन्धित तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनगणना-2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के दृष्टिगत जनपद रायबरेली में व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रथम बैच का प्रशिक्षण 16 से 18 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया था, जिसमें सलोन एवं महाराजगंज तहसील के कुल 36 फील्ड ट्रेनरों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण में शासन स्तर से प्रशिक्षित 04 मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जो आगे चलकर अन्य कार्मिकों को प्रशिक्षित करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना की समस्त प्रक्रियाओं, डेटा संकलन की विधियों, डिजिटल उपकरणों के प्रभावी उपयोग, मोबाइल एप्लिकेशन के संचालन तथा शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, द्वितीय चरण में 19, 20 एवं 23 मार्च 2026 को दो बैचों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसका आज दूसरा दिन है।, जिसमें तहसील सदर,

लालगंज, सलोन एवं ऊँचाहार के कुल कुल 62 अन्य कार्मिकों/फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रकार जनपद में चरणबद्ध तरीके से सभी संबंधित कार्मिकों को प्रशिक्षित कर जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपादित करने की तैयारी की जा रही है। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु निर्देशित किया गया है कि सभी प्रशिक्षु प्रशिक्षक के दौरान दी जा रही जानकारी को गंभीरता से ग्रहण करें तथा जनगणना कार्य में पूर्ण जिम्मेदारी एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करें, जिससे जनपद के सटीक एवं विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील है, अतः इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता के साथ संपन्न हो तथा सभी संबंधित कार्मिकों को आवश्यक दक्षता प्रदान की जा सके, जिससे जनगणना 2027 का कार्य जनपद रायबरेली में सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सके। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) द्वारा भी निर्देशित किया गया है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए तथा सभी कार्मिक समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सलोन सचिन यादव नामित किए गए हैं, जिनके निर्देशन में प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

आपसी एकता और प्रेम को बढ़ावा देते हैं सामाजिक कार्य - बसन्त सिंह बग्गा

लाइट एण्ड साउण्ड वेलफेयर एसोसिएशन का होली मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। लाइट एण्ड साउण्ड वेलफेयर एसोसिएशन रायबरेली

द्वारा होली मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों की उपस्थित रही। कार्यक्रम के रंग-गुलाल के साथ-साथ आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उ0प्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश उपाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया इसके बाद सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनायें दी। माहौल पूरी तरह से उत्सवमय रहा और लोगों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी आनन्द लिया। मुख्य अतिथि श्री बग्गा ने कहा कि लाइट एण्ड साउण्ड वेलफेयर एसोसिएशन रायबरेली द्वारा आयोजित किये गये होली-मिलन के कार्यक्रम हेतु आयोजक साधुवाद के पात्र हैं। श्री बग्गा ने कहा कि यह आयोजन हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी आपसी एकता और प्रेम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। विशिष्ट अतिथि सदर विधायक के प्रतिनिधि कमल श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। लाइट एण्ड साउण्ड वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आशु श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा एसोसिएशन सदैव सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेता रहता है, आगे भी इस तरह के आयोजन होते रहेंगे। महामन्त्री राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि होली का त्योहार सभी गले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे के करीब आने का अवसर देता है। कोषाध्यक्ष रंजन चैधरी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों को करने से आपसी भाईचारा मजबूत होता है। कार्यक्रम का सफल संचालन विनय अग्रहरि ने किया।

सीडीओ ने प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को वितरित किये प्रमाण पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आर0डी0ए0 के

सामुदायिक केन्द्र विकास प्राधिकरण रतापुर में 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी के आयोजन में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को डमी चेक एवं प्रशंसा पत्र वितिरित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत 06 लाभार्थियों को डमी चेक प्रदान किये गये जिसमें सुमित, रेनू गुप्ता, शिव गणेश एवं धीरज कुमार को पांच-पांच लाख रूपये व ओम प्रकाश को रूपये 10 लाख एवं सूरज कुमार को 4 लाख 12 हजार रूपये का डमी चेक वितरित किया गया। इसी दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में ऋण वितरण में सर्वाधिक प्रगति वाले बैंको के क्षेत्रीय प्रबंधको को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया जिसमें मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत उ0प्र0 ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अनुज कुमार प्रथम स्थान, बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक शैलेन्द्र प्रताप सिंह को द्वितीय स्थान एवं पंजाब नेशन बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक रक्तिमावा दान को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार एक जनपद एक उत्पाद मार्जिन मनी योजना के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक बृजभानु सिंह प्रथम, बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वितीय एवं उ0प्र0 ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अनुज कुमार यादव को तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अन्तर्गत बैंक ऑफ महाराष्ट्र के जिला समन्वयक विवेक सक्सेना प्रथम, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक

बृजभानु सिंह द्वितीय एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक शैलेन्द्र प्रताप सिंह तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग के पंजीकृत दलों द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कौशल विकास मिशन व आर सेटी से प्रशिक्षण प्राप्त, ऐसे युवा जो उद्यमी बनना चाहते हैं उन्हें उद्योग विभाग द्वारा स्वरोजगार योजनाओं से ऋण प्राप्त करते हुए उद्यम स्थापित करने में सहयोग किया जाए। इसके साथ ही जिन बैंकों द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में ऋण वितरण में बेहतर कार्य किया हैं उनकी प्रशंसा की। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, उप प्रधानाचार्य आईटीआई राजकुमार मौर्य, एलडीएम रूपेश दुबे, जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन राजीव कुमार सिंह, वंदना सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व लाभार्थी उपस्थित रहे।

झूलेलाल जयंती पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। झूलेलाल जयंती पर शुक्रवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सिन्धु सभ्यता के हमारे मार्गदर्शक सन्त महात्मा

झांकियां जाई गई। रास्तों में कई जगह तोरण द्वार लगाए गए तो विभिन्न संगठनों ने शोभा यात्रा का स्वागत भी किया। शोभायात्रा में शामिल लोग डांडिया पर थिरके। सिंधी समाज की ओर से भगवान झूलेलाल का 1076 वां जन्मोत्सव समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। सिंधी कॉलोनी, गुरु नानक नगर स्थित संत कंवर राम विद्यालय से दोपहर में शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा रेलवे स्टेशन, मनसा देवी मन्दिर , घंटाघर, रामकृपाल चौराहा, सुपर मार्केट, अस्पताल चौराहा होते हुए राजघाट पहुंची जहां वुंनडी व बहराना साहब का विसर्जन किया गया। शोभायात्रा में कई आकर्षक झांकियां सजाई गई। रास्ते भर समाज के लोग डांडिया करते हुए साथ चल रहे थे। शोभायात्रा जिधर से होकर गुजरी उस रास्ते में कई जगह तोरण द्वारा लगाए गए। जगह-जगह विभिन्न संगठनों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। इस मौके पर सिन्धी समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश सावलानी संरक्षक परेश कृपलानी नितिन बजाज मोहित लखमानी आदि लोग मौजूद रहे।

आईएमएस नोएडा में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 62 स्थित आईएमएस नोएडा के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा बदलते दौर में मीडिया विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन दिल्ली के वरिष्ठ प्रोफेसर शामिल हुए। उन्होंने पत्रकारिता के छात्रों को भविष्य में मीडिया क्षेत्र में हो रहे बदलाव और नए कौशल को अपनाने के प्रति जागरूक किया। पहले दिन की कार्यशाला को आईआईएमसी के स्ट्रेटेजिक कम्युनिकेशन विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर प्रमोद कुमार ने संबोधित किया। इस दौरान प्रोफेसर प्रमोद कुमार ने छात्रों को वर्तमान में पत्रकारिता के क्षेत्र में हो रहे बदलाव के प्रति जागरूक किया। इसके साथ ही वर्तमान में बदलाव आधारित पत्रकारिता करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। वहीं दूसरे दिन की कार्यशाला को संबोधित करते हुए आईआईएमसी के पूर्व प्रोफेसर और उत्तराखंड सरकार के मीडिया सलाहकार प्रोफेसर गोविंद सिंह ने छात्रों को पत्रकारिता के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी बदलाव के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरूरी सॉफ्टवेयर और टूल्स पर विशेष करके कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि इसी बिंदु को ध्यान में रखते हुए आईएमएस की तरफ से सॉल्यूशन जर्नलिज्म और चेंजिंग डायनामिक्स ऑफ मीडिया विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) सचिन बत्रा ने बताया कि वर्तमान समय में पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में तकनीकी रूप से तेजी से बदलाव हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने के बाद अब खबरों के लिखने उनके संपादन के साथ ही ग्राफिक्स और एनीमेशन की दुनिया में तेजी से परिवर्तन हुआ है। इस स्थिति में अब पत्रकारिता के छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरूरी सॉफ्टवेयर और टूल्स पर विशेष करके कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि इसी बिंदु को ध्यान में रखते हुए आईएमएस की तरफ से सॉल्यूशन जर्नलिज्म और चेंजिंग डायनामिक्स ऑफ मीडिया विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

बर्ड फ्लू का बढ़ता खतरा –फेलिक्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने दी सतर्क रहने की सलाह,संक्रमित या मृत पक्षियों के संपर्क से बचने की सलाह

संक्रमित पोल्ट्री के संपर्क से फैलता है वायरस, समय रहते बचाव ही सबसे बड़ा उपाय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। केरल में एक बार फिर बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लुएंजा) का प्रकोप बढ़ता नजर आ रहा है। इस कारण डॉक्टरों ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है। डॉक्टरों ने बर्ड फ्लू से बचाव के लिए सावधानी ही सबसे बड़ा उपाय है। डॉक्टरों ने संक्रमित या मृत पक्षियों के संपर्क से बचने के साथ भीड़भाड़ वाले पोल्ट्री बाजारों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी है। फेलिक्स हॉस्पिटल की डॉक्टर सोनाक्षी सक्सेना, जनरल फिजिशियन ने बताया कि बर्ड फ्लू एक संक्रामक वायरल बीमारी है, जो मुख्य रूप से पक्षियों में फैलती है, लेकिन कुछ मामलों में यह इंसानों को भी संक्रमित कर सकती है। यह वायरस इन्फ्लुएंजा ए वायरस के कारण होता है, जिसके कई उप प्रकार होते हैं। बर्ड फ्लू के प्रमुख प्रकारों में एच 5 एन 1, एच 7 एन 9 और एच 5 एन 8 शामिल हैं। इनमें एच 5 एन 1 को सबसे अधिक घातक माना जाता है। यह वायरस संक्रमित पक्षियों के मल, लार और स्राव के संपर्क में आने से फैलता है। पोल्ट्री फार्म, जीवित पक्षी बाजार और संक्रमित मांस इसके मुख्य स्रोत होते हैं। इंसानों में बर्ड फ्लू के लक्षण सामान्य फ्लू जैसे होते हैं, लेकिन यह तेजी से गंभीर हो सकते हैं। बर्ड फ्लू का कोई विशेष सार्वभौमिक इलाज नहीं है। लेकिन शुरुआती चरण में एंटीवायरल दवाएं जैसे ओसेल्टामिविर (टैमीफ्लू) प्रभावी मानी जाती हैं। समय पर इलाज मिलने से गंभीरता को कम किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2003 से अब तक दुनिया भर में एच 5 एन 1 के 850 से अधिक मानव मामले सामने आए हैं, जिनमें लगभग 50फीसदी की मृत्यु हुई है। भारत में मानव संक्रमण के मामले बेहद कम हैं, लेकिन पक्षियों में संक्रमण के कई प्रकोप दर्ज किए गए हैं। घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन लापरवाही भारी पड़ सकती है। बर्ड फ्लू के प्रमुख लक्षण- - तेज बुखार और ठंड लगना, खांसी और गले में खराश, सांस लेने में तकलीफ, मांसपेशियों में दर्द, आंखों में संक्रमण (कंजक्टिवाइटिस), निमोनिया और अंगों के फेल होना। बर्ड फ्लू से बचाव और रोकथामः- संक्रमित या मृत पक्षियों के संपर्क से बचें, पोल्ट्री उत्पादों को अच्छी तरह पकाकर ही खाएं, हाथों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, भीड़भाड़ वाले पोल्ट्री बाजारों से दूरी बनाए रखें, किसी भी संदिग्ध लक्षण पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष नेता मनोज गुप्ता के पिता चित्र सेन गुप्ता का निधन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के नेता मनोज गुप्ता के पिता चित्रसेन गुप्ता का निधन हो गया। नोएडा में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रहे मनोज गुप्ता के पिता चित्रसेन गुप्ता के निधन से नोएडा में शोक व्याप्त हो गया है। नोएडा क्षेत्र के भंगेल में स्थित शमशान घाट पर चित्रसेन गुप्ता के अंतिम संस्कार किया जाएगा। नोएडा में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता के पिता चित्रसेन गुप्ता पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। मनोज गुप्ता के परिवारजनों ने बताया कि बीमारी के कारण 5 दिन पहले चित्रसेन गुप्ता को नोएडा के सेक्टर-128 में स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आज अचानक अस्पताल में उनका निधन हो गया। चित्रसेन गुप्ता लगभग 70 वर्ष के थे। नोएडा भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता के पिता चित्रसेन गुप्ता बेहद मिलनसार तथा व्यवहारिक इंसान थे। चित्रसेन गुप्ता अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। उनके दो पुत्र मनोज गुप्ता तथा पंकज गुप्ता नोएडा क्षेत्र में अपना विशेष स्थान रखते हैं। चित्रसेन गुप्ता के आकस्मिक निधन पर भाजपा के अनेक नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

'नारी उत्कर्ष अभियान' के तहत स्वच्छता एवं आत्म विश्वास पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। युवा सशक्तिकरण एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय वाईएसएस फाउंडेशन द्वारा 'नारी उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देने हेतु एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन ट्रेनर गीता भायाना (वाईएसएस फाउंडेशन) द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म स्वच्छता तथा आत्मविश्वास के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। सत्र के दौरान उन्होंने चित्रों एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से विषय को सरल, स्पष्ट एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे प्रतिभागियों को विषय को समझने में आसानी हुई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को समझा तथा उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं को जागरूक कर उन्हें स्वच्छ, सजग एवं आत्मनिर्भर बनाना रहा, ताकि वे समाज में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। इस अवसर पर वाईएसएस फाउंडेशन के प्रतिनिधि सोनू वर्मा ने बताया कि संस्था पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन लाने के प्रयास जारी रहेंगे। कार्यक्रम का समापन एक प्रेरणादायक सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने एक स्वर में कहाः 'मैं स्वच्छ रहूँगी, सजग दिखूँगी, और आत्मविश्वास से आगे बढ़ूँगी।'

निर्विरोध चुने गए अरुण कुमार सिंह अध्यक्ष, राजेंद्र कुमार यादव महामंत्री

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सत्र 2025-2026 के पदाधिकारी व कार्यकारिणी निर्विरोध घोषित,पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की दिलाई गई शपथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सत्र 2025-2026 के चुनाव में अरुण कुमार सिंह अध्यक्ष व राजेंद्र कुमार यादव महामंत्री निर्विरोध चुने गए। एल्डर कमेटी अध्यक्ष श्रीनाथ सिंह एड व मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश कुमार यादव एड ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा कर दी है। एल्डर कमेटी चेयरमैन श्रीनाथ सिंह ने शुक्रवार को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई।बता दें कि डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सत्र 2025 -26 के प्रतिष्ठापरक चुनाव का निर्वाचन शुक्रवार जो निर्विरोध संपन्न हुआ। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष श्र नाथ सिंह और मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश कुमार यादव एडवोकेट, सहायक चुनाव अधिकारीगण सुरेश सिंह कुशवाहा एडवोकेट व राजकुमार पटेल एडवोकेट ने विधिवत सत्र 2025-26 की नई कार्यकारिणी के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की है। मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश कुमार एडवोकेट ने बताया कि नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर अरुण कुमार सिंह एडवोकेट, महामंत्री पद पर राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट, कोषाध्यक्ष पद पर द्वारिका प्रसाद नागर एडवोकेट,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर बिंदु यादव एडवोकेट, उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर के लिए चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट व संतोष कुमार यादव एडवोकेट तथा उपाध्यक्ष 10 वर्ष के नीचे के लिए आशुतोष कुमार पटेल एडवोकेट व आशुतोष कुमार पांडेय एडवोकेट, सचिव प्रशासन पद पर वेद प्रकाश सिंह एडवोकेट, सचिव पुस्तकालय पद पर अभिषेक सिंह मौर्य व सचिव प्रशासन पद पर हरिद्वार एडवोकेट तथा वरिष्ठ कार्यकारिणी पद पर भोला सिंह पटेल एडवोकेट, अशोक कुमार पाठक एडवोकेट, परमेश्वर सिंह एडवोकेट, कृष्ण मुरारी एडवोकेट, गुलाब वैश्य एडवोकेट, तथा अनिल कुमार सिंह एडवोकेट का निर्विरोध निर्वाचन हुआ! इसी तरह कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर चंद्रकला गिरी एडवोकेट, मार्तंड प्रताप सिंह एडवोकेट, सुमन एडवोकेट, राकेश कुमार सिंह एडवोकेट, सुदेश कुमार एडवोकेट एवं रमन कुमार एडवोकेट का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। उसके बाद सादे समारोह में सभी पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को एल्डर कमेटी चेयरमैन श्रीनाथ सिंह एडवोकेट ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान एल्डर कमेटी के सदस्यगण निर्मलेंदु कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, मुस्ताक अली एडवोकेट, रमेश चंद्र सिंह एडवोकेट व छोटेलाल गौतम एडवोकेट तथा मौजूदा अध्यक्ष जगजीवन सिंह एड, रोशन लाल यादव एड,रणजीत सिंह एड वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट, हीरालाल पटेल एड,महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य एड , वीपी सिंह एड, फूल सिंह एड, कामता प्रसाद यादव एड आदि लोग घोषणा के समय उपस्थित रहे।

WhatsApp लाएगा नया यूज़रनेम फीचर, बिना नंबर शेयर किए होगी चैट और कॉलिंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप WhatsApp जल्द ही अपने यूजर्स के लिए बड़ा अपडेट लाने जा रहा है। वर्ष 2026 के मध्य तक कंपनी 'यूज़रनेम फीचर' लॉन्च करने की तैयारी में है, जिससे अब यूजर्स बिना अपना मोबाइल नंबर साझा किए भी मैसेज, कॉल और वीडियो कॉल कर सकेंगे।

प्राइवेसी होगी और मजबूत-इस नए फीचर का मुख्य उद्देश्य यूजर्स की प्राइवेसी को और बेहतर बनाना है। अभी तक WhatsApp पर किसी से जुड़ने के लिए मोबाइल नंबर जरूरी होता है, लेकिन नए अपडेट के बाद यूजर्स एक यूनिक यूज़रनेम के जरिए कनेक्ट कर पाएंगे। कैसे काम करेगा फीचर- यूजर्स अपने लिए एक यूनिक यूज़रनेम सेट कर सकेंगे। नंबर शेयर किए बिना ही चैट, कॉल और वीडियो कॉल संभव होगी। अजनबी लोगों से जुड़ते समय मोबाइल नंबर छिपा रहेगा।

अन्य ऐप्स से मिलेगी टक्कर- यह फीचर Telegram और Instagram जैसे प्लेटफॉर्म की तरह होगा, जहां पहले से यूज़रनेम के जरिए कनेक्ट होने की सुविधा उपलब्ध है। कब तक होगा लॉन्च- रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फीचर 2026 के मिड तक सभी यूजर्स के लिए जारी किया जा सकता है। फिलहाल कंपनी इस पर काम कर रही है और जल्द ही इसका टेस्टिंग फेज शुरू हो सकता है।

WhatsApp का यह नया फीचर यूजर्स को ज्यादा सुरक्षा और प्राइवेसी देगा, साथ ही बिना नंबर साझा किए कनेक्ट होना आसान बना देगा।

जनपद स्तरीय 'हमारे आंगन हमारे बच्चे' कार्यक्रम का आयोजन,बाल वाटिका और प्री प्राइमरी शिक्षा पर प्रकाश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रॉबर्ट्सगंज के प्रांगण में शुक्रवार को जनपद स्तरीय 'हमारे आंगन हमारे बच्चे' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय और खण्ड शिक्षा अधिकारी रॉबर्ट्सगंज महेन्द्र मौर्य ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पित और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की बच्चियों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

एस आर जी और ए आर पी ने बाल वाटिका और प्री प्राइमरी शिक्षा पर प्रकाश डाला। आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने सरकार की मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। खंड शिक्षा अधिकारी रॉबर्ट्सगंज महेन्द्र मौर्य ने बाल वाटिका के प्रत्येक ब्लॉक के एक निपुण बच्चे को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर एस आर जी संजय मिश्रा, विद्या सागर, ए आर पी दिनेश कुमार मिश्रा, कमल नारायण सिंह, धनंजय द्विवेदी, ब्लॉक क्वालिटी कोऑर्डिनेटर वरुण कुमार त्रिपाठी और सभी ब्लॉक के नोडल शिक्षकों को प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया गया।

गौरैया - हम तुम्हें जाने नहीं देंगे ,,काव्य संध्या में लिया गया संकल्प,

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। विश्व गौरैया दिवस पर उत्सव ट्रस्ट सोनभद्र के सौजन्य से आशीष पाठक एडवोकेट के आवास रा, गंज में शुक्रवार शाम कविताओं की महफ़िल सजी जिसमें गौरैया संरक्षण पर्यावरण को संदर्भित बेहतरीन रचनाओं से कवियों ने आयोजन में चार चांद लगाये और लोगों को सोचने पर मजबूर किया। आयोजन की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रामनाथ शिवेन्द्र ने किया। वाणी वंदना करते हुए प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट निदेशक शहीद स्थल करारी ने,तम हर जग माँ जगमग कर दे तथा चहकति चिरैया बगिया गुंजार करै , मन नाहीं भरत रहे देखि सुघराई। से विधिवत आयोजन का आगाज हुआ। कौशल्या कुमारी चौहान ने अपनी रचना, जिनगी के थाती परान गौरैया, गुम कहाँ भैलीं बचावा एकरा भैया सुनाकर वातावरण में सार्थक संदेश दिया और महफ़िल रौनक किया । कवि धर्मेश चौहान एडवोकेट ने मानव जीवन की सबसे बड़ी हार, पर्यावरण से क्यों नहीं करते हो प्यार, सुनाकर सोचने पर विवस किया सराहे गये। सफल संचालन करते हुए शायर अशोक तिवारी एडवोकेट ने, गौरैया मानव जीवन की पहचान है। क्यों गायब है सोचकर हैरान हैं सुनाकर ज्वलंत मुद्दा उठाया। सोन संगीत फाउंडेशन के सुशील मिश्रा ने लोकगीत, घन बसवरिया पीपर पाती डार डार हरियाइल सुनाकर माहौल को ऊंचाई दिया। दिलीपसिंह दीपक जयराम सोनी सुधाकर पांडेय स्वदेशप्रेम विवेक चतुर्वेदी विशेष अस्थाना दयानंद दयालू प्रभात सिंह चंदेल गोपाल कुशवाहा राधेश्याम पाल अलका केसरी आदि ने काव्य पाठ कर विविधता युक्त रचना सुनाकर माहौल बनाया। सिद्धनाथ पांडेय ने विदेशिया धुन पर आधारित समसामयिक रचना पर्यावरण व गौरैया संरक्षण को समर्पित सुनाकर सभी को भाव विभोर कर दिये। अंत में अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्य कार कथाकार रामनाथ शिवेन्द्र ने गौरैया पशु पक्षी जीव जंतु पर्यावरण वन जंगल जल जमीन मानसून पेंड़ पहाड़ से मानव सभ्यता और मानव के लिए उपयोगी के संदर्भ में वृहत वक्तव्य देकर प्रासंगिकता से जोड़ा और संतुलन आवश्यक बताया। गौरैया विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला पक्षी था लेकिन दुर्भाग्यवश अब ये विलुप्त होने के कगार पर हैं। जीव जगत का अस्तित्व प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक दूसरे पर निर्भर है। हमारी गलतियों से आज यह पक्षी विलुप्त हो रहे हैं, यदि ऐसा ही रहा तो शीघ्र ही मानव अस्तित्व भी खतरे में होगा। हमारी गलतियों से विलुप्त होती प्रजातियों को बचाने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। विलुप्त होती प्रजातियों को बचाना, इनके प्रति सहानभूति, आदर और प्रेम करना अति आवश्यक है। जैसे बाढ़ में डूबता हुआ व्यक्ति किसी वृक्ष को पकड़ कर स्वयं की रक्षा करता है वैसे ही गौरैया और उन जैसे तमाम जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों एवं वनस्पतियों के अस्तित्व के लिए न सही स्वयं के अस्तित्व के लिए अंत समय में धर्म को पकड़ कर मानव, मानवता और मानव के अस्तित्व को बचा लीजिये। 'वसुधैव कुटुंबकम' अर्थात संपूर्ण वसुंधरा एक ही परिवार है और इस पर रहने वाले मनुष्य, जीव-जन्तु, पशु-पक्षी एवं वनस्पति एक ही परिवार का हिस्सा हैं; सनातन धर्म के इस मूल संस्कार में विश्वास रखने वाले उत्सव ट्रस्ट परिवार से जुड़ कर आप भी गौरैया संरक्षण अभियान के सहभागी बन विलुप्त होती गौरैया को बचाने में मदद करना होगा इसका संकल्प लिया गया। उत्सव ट्रस्ट - गौरैया संरक्षण अभियान प्रमुख आशीष पाठक एडवोकेट ने सभी कवियों का सारस्वत अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया और गौरैया संरक्षण को अनिवार्य बताया ताकि मानवता मानव जीवन बचा रहे। इस अवसर पर संरक्षक डा, श्री प्रकाश पाठक स्वामी अरविंद सिंह पंकज कनौडिया अर्पण बंका विकास राज नीतिन सिंह सोनल सिंह ऋषभ त्रिपाठी हर्ष चौहान अनीशा चौहान समेत सैकड़ों लोग देर शाम तक काव्यपाठ सुनते सराहते रहे।

ट्रिपल इंजन सरकार की जिम्मेदारी, गरीबों को मिले पौष्टिक भोजन-'आप'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रॉबर्ट्सगंज। सोनभद्र। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष

गोविंद चौबे के नेतृत्व में दिल्ली की तरह अटल कैंटीन शुरू करने के लिए नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रूबी प्रसाद को एक मांग पत्र दिया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रमेश गौतम भी उपस्थित रहे। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष गोविंद चौबे ने कहा कि सोनभद्र क्षेत्रफल की दृष्टि से काफी फैला हुआ जनपद है, जहां ज्यादातर दलित आदिवासी जनपद के सुदूर क्षेत्रों से झीलों खमरिया, नेमना, सिंदूर, जरहा, कोन कचनरवा, विंढमगंज, खलियारी, लहास, घुवास जैसे दूर दराज से गरीब रॉबर्ट्सगंज आते हैं। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय के साथ साथ कचहरी और संयुक्त जिला चिकित्सालय भी रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र में हैं। सैकड़ों की संख्या में गरीब, अति गरीब नागरिकों को नियमित आना जाना रहता है। अटल कैंटीन जैसी योजना से गरीब लाचार, मेहनतकश श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो जाएगा। इनके जीवन को अधिक सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाया जा सकेगा। जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार ने 25 अप्रैल 2025 से दिल्ली में अटल कैंटीन चलाकर खूब न्यूज मीडिया में वाहवाही ले रही है। ट्रिपल इंजन यहां रॉबर्ट्सगंज में भी है। हमारी मांग है कि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रूबी प्रसाद भी ऐसी योजना रॉबर्ट्सगंज में शुरू कराए। संगठन प्रभारी ज्योति जंग सिंह ने कहा कि अटल रसोई योजना (या अटल कैंटीन) दिल्ली की तरह जरूरतमंदों, दिहाड़ी मजदूरों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मात्र ?5 में भरपेट और पौष्टिक भोजन (दाल, चावल, सब्जी, रोटी, अचार) प्रदान करती है। हमारे रॉबर्ट्सगंज में भी भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार है, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सम्मान में यहां भी योजना चलाई जानी चाहिए। ताकि जनपद सोनभद्र में भी कोई भूखा न सोने पाए। पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि रॉबर्ट्सगंज के अलावा ओबरा, डाला, अनपरा, रेणुकूट जैसे नगर पंचायतों में भी इस योजना को चलाना चाहिए। जहां गरीबों को दोपहर का भोजन और रात का भोजन मिल सके। आज मांगपत्र देने वालों में अनवर अली अंसारी, राजेंद्र मौर्या, समीर खान, शमशाम अली, नागेंद्र मौर्या आदि के साथ साथ श्रमिक लोग शामिल रहे।

सोनभद्र-बिना काम किए मजदूरों के नाम पर भुगतान निकालने के आरोप

शिकायत पत्र में खुलासा हुआ है कि कई अपात्र लोगों के खातों में पैसा भेजा गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र के करमा विकास खंड के आमडीह गांव में पंचायत स्तर

पर भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, ग्राम प्रधान द्वारा विकास कार्यों में फर्जी मजदूर दिखाकर लाखों रुपये का भुगतान निकाला गया। हैरानी की बात ये है कि जिन लोगों के नाम पर मजदूरी दिखाई गई, वे असल में ई-रिक्शा चलाते हैं, दुकान चलाते हैं या अन्य निजी कार्यों में लगे हुए हैं। शिकायत पत्र में चन्द्रजीत, अजीत कुमार, उदयनारायण, जितेश, महेन्द्र और अंकित जैसे नामों का उल्लेख किया गया है, जिनके खातों में मजदूरी के नाम पर पैसा भेजा गया। बताया जा रहा है कि यह खेल साल 2021 से 2025 तक लगातार चलता रहा और नियमों की खुली अनदेखी की गई। यह मामला पंचायती राज व्यवस्था और मनरेगा जैसी योजनाओं की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़ा कर रहा है। हम लोग काम के लिए भटकते हैं, लेकिन जिन लोगों ने काम ही नहीं किया उनके खाते में पैसा जा रहा है। हम चाहते हैं कि जांच हो और दोषियों पर कार्रवाई हो। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की स्थलीय और दस्तावेजी जांच कराने की मांग की है। साथ ही फर्जी भुगतान की रिकवरी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी उठाई गई है। इस मामले के सामने आने के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है और लोग न्याय की उम्मीद कर रहे हैं। जांच और कार्रवाई की मांग तेज।

थाना शक्तिनगर- नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने वाला 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक जनपद पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में चेकिंग एवं वांछित अभियुक्तों की तलाश के को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत

सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 20.03.2026 को थाना शक्तिनगर दौरान मुखबिर की सूचना पर कोटा परसवार राजा रोड के किनारे से अभियुक्त दीपक कुमार पुत्र कुश प्रसाद, निवासी एमजीआर बस्ती, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 21 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। उक्त अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 54/2026 धारा 65(1) बीएनएस एवं 3/4(2) पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत है। अभियुक्त किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः- दीपक कुमार पुत्र कुश प्रसाद निवासी - एमजीआर बस्ती, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र उम्र - लगभग 21 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः- थानाध्यक्ष कमल नयन दुबे, थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। .हे0का0 दिनेश कुमार भारती थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। .का0 अमृत लाल थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन का शुभारंभ

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीन जरूरीः जागृति अवस्थी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ गिरधारी लाल और अन्य भविष्य को सुरक्षित करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी पीके राय

मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने गुरुवार को नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, राबर्ट्सगंज में एचपीवी वैक्सीन का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पीके राय, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ प्रेमनाथ, अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर एक गम्भीर बीमारी है, लेकिन इसका बचाव संभव है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 14-15 वर्ष आयु वर्ग की समस्त किशोरियों को वैक्सीन लगवाएं और उनके ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन सरकार द्वारा निःशुल्क रूप से सीएचसी/पीएचसी/अर्बन पीएचसी पर लगायी जा रही है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि 14 वर्ष आयु की बालिकाओं को निःशुल्क रूप से एचपीवी वैक्सीन टीकाकरण से आच्छादित किया जायेगा।

'जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच

सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गैस सिलेन्डरों की जमाखोरी की शिकायत का जिलाधिकारी ने लिया सज्ञान,टीम गठित कर कार्यवाही करने के दिये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय गैस सिलेंडर का दुरुपयोग किये जाने की शिकायत दिनांक 19 मार ने जनपद के संचालित समस्त गैस एजेंसियों के संचालकों, घरेलू गैस

स्तर में उत्पन्न कारणों से घरेलू गैस 2026 को ओबरा नगर पंचायत ओबरा से प्राप्त होने पर जिलाधिकारी ने प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये है टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर जांच करते हुए गैस सिलेन्डर की अवैध रिफिलिंग व भण्डारण में सम्मलित सिलेंडर से अवैध रिफिलिंग में संलिप्त व्यक्तियों तथा घरेलू गैस सिलेंडर को जमाकर अधिक मूल्य में बेचे जाने की नियत रखने वाले व्यक्ति किसी भी दशा में इस प्रकार का कोई अनैतिक कार्य न करें, अन्यथा संज्ञान में आने पर जांचोपरांत दोषी पाये जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कठोरतम विधिक कार्यवाही की जाएगी, जनपद के होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, चाय कैंटीन संचालकों को सचेत किया जाता है, कि वे अपने होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, चाय कैंटीन या अन्य व्यवसाय में किसी भी दशा में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग न करें, अन्यथा आपके विरुद्ध भी नियमानुसार विधिक कार्यवाही सम्पादित कराई जाएगी।

गैस सिलेन्डर एवं पेट्रोलियम पदार्थो की जमाखोरी पाये जाने पर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी सुनिश्चित-जिलाधिकारी ,होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, चाय कैंटीन संचालक व्यवसाय में किसी भी दशा में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग न करें-जिलाधिकारी ,व्यवसायिक उपयोग पाये जाने पर दोषियों के विरूद्ध होगी कार्यवाही-जिलाधिकारी

सिलेंडरों एवं अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की जमाखोरी की शिकायतें प्राप्त हो रही है। इन शिकायतों को संज्ञान में लेकर जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिये है इसी प्रकार से घरेलू मोहमद हफीज पुत्र मोहम्मद हमीद, निवासी मकान संख्या 18/162 नगर पंचायत ओबरा के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत कठोर कार्यवाही सम्पादित की गयी है। जिलाधिकारी

टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का मशाल जुलूस, सड़कों पर उतरा यूटा संगठन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। यूनाइटेड की। सभा को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह अग्रवाल और महामंत्री रूद्र मिश्रा ने स्पष्ट किया कि संगठन न्याय

टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के बैनर तले शिक्षकों ने 'टेट अनिवार्यता' के विरोध में रॉबर्ट्सगंज शहर में जोरदार प्रदर्शन करते हुए मशाल जुलूस निकाला। विन्ध्याचल मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह गुंजन के नेतृत्व में यह जुलूस रामलीला मैदान से शुरू होकर बढ़ौली चौराहा तक पहुंचा। जुलूस में सैकड़ों की संख्या में शिक्षकों ने भाग लेकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद गुंजन ने कहा कि अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता और योग्यता की असली पहचान वर्षों के समर्पण और सेवा से होती है। उन्होंने कहा कि सेवा के बीच में नए नियम लागू करना न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। मंडल पदाधिकारी केके सिंह, ज्ञान प्रजापति, अंजनी द्विवेदी और शमशेर सिंह ने एक स्वर में कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों के लिए पीछे नहीं हटेंगे। वहीं जिला अध्यक्ष शिवम मिलने तक संघर्ष जारी रखेगा। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान कोर टीम के पदाधिकारी बृजेश यादव, सूर्य प्रकाश सिंह, विवेकानंद शुक्ला, संजीव सिंह, राजेश यादव, विवेक, संतोष यादव, गौरव, सौरभ पटेल, शंभू यादव, मधुप सिंह, राज वैश्य, बृजेश वैश्य सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

थाना अनपरा पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन से संबंधित वांछित अभियुक्त राजू कुमार पटेल पुत्र सीयाराम पटेल निवासी खेतकटवा, जनपद

सोनभद्र उम्र करीब 28 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 20.03.2026 को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त को विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- राजू कुमार पटेल पुत्र सीयाराम पटेल निवासी खेतकटवा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 28 वर्ष। पुलिस टीम का विवरण- उ0नि0 बृजेश कुमार दूबे चौकी प्रभारी रेनूसागर थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। हे0का0 विजय कुमार चौकी रेनूसागर थाना अनपरा जनपद सोनभद्र।

में, अपर पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के नेतृत्व में थाना अनपरा पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में त्वरित कार्यवाही करते हुए मु0अ0सं0 056/2026 धारा 115(2), 351(2), 69 बीएनएस

पी एम विकसित भारत रोजगार योजना का उठाये लाभ,पी एम विकसित भारत रोजगार योजना' के अंतर्गत पंजीकरण की अवधि 01 अगस्त 2025 से प्रारम्भ

पी एम विकसित भारत रोजगार योजन एक लाभ अनेक पर आधिरत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी 'पी एम विकसित भारत रोजगार योजना' के अंतर्गत पंजीकरण की अवधि 01 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 तक निर्धारित की गई है। यह योजना 'एक-लाभ अनेक' की अवधारणा पर आधारित है, जिसका उद्देश्य रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करना एवं सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करना है। योजना के तहत पहली बार नौकरी प्राप्त करने वाले कर्मचारियों तथा अतिरिक्त रोजगार सृजन करने वाले नियोक्ताओं दोनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। यह योजना सभी क्षेत्रों में लागू है, जबकि विनिर्माण क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी गई है। साथ ही कर्मचारियों को वित्तीय साक्षरता के प्रति भी जागरूक किया जाएगा, योजना के प्रमुख लाभ एवं पात्रता शर्तें, पहली बार रोजगार पाने वाले कर्मचारियों हेतु अधिकतम रूपया एक लाख प्रतिमाह तक वेतन प्राप्त करने वाले कर्मचारी पात्र होंगे। एक माह के समान वेतन

(अधिकतम रूपया 15,000) दो किश्तों में प्रदान किया जाएगा। प्रथम किश्त 6 माह की सेवा पूर्ण होने पर डीबीटी के माध्यम से आधार से जुड़े बैंक खाते में प्रदान की जाएगी। द्वितीय किश्त 12 माह की सेवा पूर्ण करने एवं वित्तीय साक्षरता कोर्स पूर्ण करने के पश्चात सरकार द्वारा निर्धारित बचत योजना के अंतर्गत दी जाएगी। नियोक्ताओं को 2 वर्षों तक वेतन के अनुपात में प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। प्रति कर्मचारी अधिकतम रूपया 3,000 प्रतिमाह तक प्रोत्साहन देय होगा। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन करने पर तीसरे एवं चौथे वर्ष भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। भुगतान डीबीटी के माध्यम से पैन से जुड़े बैंक खाते में किया जाएगा। पात्रता 50 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों को न्यूनतम 2 नए कर्मचारी नियुक्त करना होगा। 50 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों को न्यूनतम 5 नए कर्मचारी नियुक्त करना होगा। मासिक वेतन के अनुसार नियोक्ता को देय प्रोत्साहन रूपया 10,000 तक रूपया 1,000 प्रति कर्मचारी प्रति माह रूपया 10,000 से रूपया 20,000 तक रूपया 2,000 प्रति कर्मचारी प्रति माह रूपया 20,000 से अधिक (अधिकतम रूपया 1,00,000 तक) रूपया 3,000 प्रति कर्मचारी प्रति माह योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु इच्छुक व्यक्ति/नियोक्ता क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी में संपर्क कर सकते हैं।

जरूरत की खबर- इयरबड्स से हुआ हियरिंग लॉस:कानों के लिए खतरनाक, फॉलो करें '60-60' रूल, जानें सेफ लिसनिंग गाइडलाइंस

नयी दिल्ली। हाल ही में मशहूर मेकअप आर्टिस्ट आरुषि ओसवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की। इसमें उन्होंने बताया

कि इयरबड्स के लगातार 8 घंटे इस्तेमाल के बाद उनकी एक कान की सुनने की क्षमता 45फीसदी तक कम हो गई। उन्होंने एक यात्रा के दौरान पूरे दिन इयरबड्स कान में लगाए रखे थे। अगली सुबह उन्हें सुनने में परेशानी महसूस हुई। इसके बाद डॉक्टर से संपर्क किया। डॉक्टर ने बताया कि यह 'सडन सेंसोरीन्यूरल हियरिंग लॉस' का है। यह ऐसी स्थिति है, जिसमें अचानक सुनने की क्षमता कम हो जाती है और इलाज में देर होने पर यह स्थायी भी हो सकती है। आरुषि ने अपनी पोस्ट के जरिए यह अपील की कि लोग ईयरबड्स या हेडफोन का जरूरत से ज्यादा और लगातार इस्तेमाल न करें क्योंकि सुनने की क्षमता एक बार चली जाए तो वापस आना मुश्किल है।इन-इयर डिवाइस आवाज को सीधे कान के अंदर भेजते हैं। अगर तेज आवाज में और लंबे समय तक इन्हें इस्तेमाल किया जाए तो इससे सुनने की क्षमता टेम्परेरी या परमानेंट कम हो सकती है। दरअसल रोजाना 85 डेसीबल से ज्यादा तेज आवाज लंबे समय तक सुनने से कान के अंदर मौजूद नाजुक 'हेयर सेल्स' (बाल जैसी कोशिकाएं) खराब हो सकती हैं। यही सेल्स आवाज का दिमाग तक सिंग्नल पहुंचाने का काम करती हैं। एक बार ये खराब हो जाएं तो दोबारा नहीं बनती हैं। इस वजह से लगातार तेज आवाज में सुनने की आदत से स्थायी सुनने की हानि हो सकती है, जिसे मेडिकल भाषा में सेंसरिन्यूरल हियरिंग लॉस कहा जाता है। नोएडा के शारदा हॉस्पिटल के ईएनटी, हेड एंड नेक सर्जरी डिपार्टमेंट के हेड डॉ. रोहित सक्सेना बताते हैं कि इयरबड्स जैसी डिवाइस 100 डेसिबल तक की आवाज निकाल सकती हैं, जो मोटरसाइकिल या कार हॉर्न जितनी तेज होती है। जबकि सामान्य बातचीत सिर्फ 60 डेसिबल के करीब होती है।सिर्फ 50 मिनट तक 95 डेसिबल की आवाज (मोटरसाइकिल का शोर) भी सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकती है। 100 डेसिबल की आवाज (पास से गुजरती ट्रेन या कार हॉर्न) सिर्फ 15 मिनट में असर डाल सकती है। मायो क्लिनिक के अनुसार, 12 से 35 साल के करीब 24% लोग बहुत तेज म्यूजिक सुनते हैं, जिससे हियरिंग लॉस का खतरा बढ़ जाता है।सडन सेंसरिन्यूरल हेयरिंग लॉस एक ऐसी स्थिति है, जिसमें एक या दोनों कानों से अचानक सुनाई देना कम हो जाता है। यह सुनने की हानि आमतौर पर तीन दिन के अंदर होती है और ज्यादातर मामलों में एक ही कान प्रभावित होता है। इसमें कान के अंदर की सुनने वाली नस (ऑडिटरी नर्व) या कोक्लिया के नाजुक 'हेयर सेल्स' को नुकसान पहुंचता है। इसके लक्षण आमतौर पर ये होते हैं।हम रोजमर्रा की जिंदगी में कई तरह की आवाजों से घिरे रहते हैं। जैसे ट्रैफिक, म्यूजिक, मशीनों का शोर या इयरफोन की तेज ध्वनि। इन आवाजों की तीव्रता एक सीमा से ज्यादा हो जाए तो धीरे-धीरे हमारी सुनने की शक्ति पर असर डाल सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अलग-अलग डेसिबल लेवल की आवाजों के लिए सप्ताह में कितना समय सुरक्षित हैडॉ. रोहित सक्सेना बताते हैं कि आजकल लोग लंबे समय तक हेडफोन या इयरफोन का इस्तेमाल करते हैं। यात्रा, वर्कआउट या काम के दौरान यह बहुत आम है। अगर यह आदत सही तरीके से न अपनाई जाए तो धीरे-धीरे सुनने की क्षमता पर असर पड़ सकता है।डेसीबल यानी आवाज की तीव्रता मापने के लिए आप अपने स्मार्टफोन में 'साउंड मीटर' या जैसे एप डाउनलोड कर सकते हैं। ये आपके फोन के माइक से आवाज को मापते हैं और बता देते हैं कि कितनी तेज है।अगर आपके इयरबड्स की आवाज पास बैठे व्यक्ति को सुनाई दे रही है या म्यूजिक सुनते वक्त आपको बाहर की आवाजें नहीं आ रहीं हैं तो समझिए आवाज बहुत तेज है। अगर सुनने के बाद कान में घंटी जैसी आवाज सुनाई दे तो यह भी नुकसान की निशानी है।अगर आप तेज आवाज में काम करते हैं तो यह आपकी सुनने की क्षमता के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए अपने कानों की सुरक्षा के लिए ये टिप्स अपनाएं- हमेशा इयरप्लग्स या इयरमफ्स जैसे हियरिंग प्रोटेक्शन डिवाइस का इस्तेमाल करें। ये आपके कानों को तेज आवाज से बचाते हैं। अगर संभव हो तो अपनी वर्कस्टेशन को उस मशीन या क्षेत्र से दूर शिफ्ट करें, जहां सबसे ज्यादा शोर होता है। लंच, चाय या बाकी ब्रेक ऐसी जगह लें, जहां शोर कम हो ताकि कानों को थोड़ा आराम मिले। वर्क के बाद तेज म्यूजिक, फायरवर्क्स या लाउड पार्टी जैसी एक्टिविटीज से बचें, जो सुनने की क्षमता पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं।

मेरे दादा और पापा को अल्जाइमर था-क्या मुझे और मेरे बेटे को भी हो जाएगा

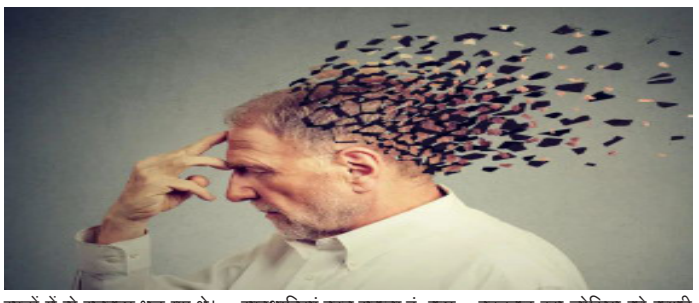

नयी दिल्ली। अल्जाइमर में एक पेशेंट के सवाल जवाब एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट

साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर। विशेषयज्ञ से सवाल- मेरा सवाल थोड़ा अजीब लग सकता है क्योंकि मेरे साथ अभी ऐसा कोई गंभीर मेंटल हेल्थ इशु नहीं है। मेरे दादाजी को एक्यूट अल्जाइमर था। अपने जीवन के आखिरी दस

सालों में वो सबकुछ भूल गए थे। घर में किसी को भी नहीं पहचानते थे। अपने बच्चों को भी नहीं। ऐसी हालत में उन्हें संभालना काफी चैलेंजिंग होता था क्योंकि वो कभी भी घर से निकल जाते और उन्हें घर का रास्ता भी याद नहीं रहता था। हमें हर वक्त उनके गले में घर का एड्रेस और फोन नंबर लिखी हुई चिट टांगकर रखनी पड़ती थी। उनकी डेथ को 8 साल हो चुके हैं। पिछले कुछ समय से मेरे पापा में भी अल्जाइमर के लक्षण दिखने शुरू हो गए हैं। वो छोटी-छोटी चीजें भूल जाते हैं। डॉक्टर का कहना है कि ये अल्जाइमर की शुरुआत है। मेरी उम्र अभी 36 साल है। तीन साल पहले मेरी शादी हुई थी और मेरा 1 साल का एक बेटा है। मेरी चिंता ये है कि अगर ये अल्जाइमर जेनेटिक है और मेरी फैमिली में ही रन कर रहा है तो एक-न-एक दिन मुझे भी अल्जाइमर हो जाएगा और मेरे बेटे को भी। इस बात ने मुझे चिंतित कर दिया है। क्या कोई ऐसा तरीका है, जिससे अल्जाइमर को होने से रोका जा सके। क्या मैं अभी से कुछ सावधानियां बरत सकता हूं, कुछ ऐसे काम कर सकता हूं, जिससे मुझे ये मेंटल हेल्थ कंडीशन कभी न हो।जवाब- आपका सवाल बिलकुल भी अजीब नहीं है, बल्कि यह बहुत जिम्मेदारी और समझदारी से पूछा गया सवाल है। आप न सिर्फ अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सजग हैं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए भी सोच रहे हैं। यह काबिल-ए-तारीफ है। एक सीनियर साइकेट्रिस्ट के रूप में मैं आपकी चिंता को गंभीरता से समझता हूं। नीचे मैं आपके लिए एक समग्र व साक्ष्य पर आधारित सेल्फ एसेसमेंट और सेल्फ हेल्प प्लान दे रहा हूं।दादा और अब पिता, दोनों में अल्जाइमर के लक्षण। ऐसे में जोखिम सामान्य आबादी की तुलना में 1.5-3 गुना अधिक होता है। यदि माता-पिता, दोनों में अल्जामइर्स हो तो यह जोखिम 5 गुना तक भी हो सकता है। हालांकि फैमिली हिस्ट्री सिर्फ एक रिस्क फैक्टर है। रिस्क फैक्टर होने का मतलब यह नहीं कि आपको यह बीमारी जरूर होगी।अपनी लाइफस्टाइल को बदलकर इस जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।आपकी उम्र अभी सिर्फ 36 साल है। यह प्राइमरी प्रिवेंशन का बहुत सही समय है।आपके सवाल को देखते हुए आपकी मौजूदा चिंता को कुछ इस तरह डिफाइन किया जा सकता है। बार-बार यह सोचना कि मैं भविष्य में सबकुछ भूल जाऊंगा। अपने बेटे की परवरिश को लेकर डर सताना। हर बार कोई मामूली सी बात भूल जाने को भी संभवतः 'अल्जाइमर का लक्षण' समझ लेना। इस फिक्र के कारण बेचैनी, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, मानसिक थकान महसूस होना।आप जिस समस्या से गुजर रहे हैं, उसकी इंटेंसिटी कितनी है, यह जानने के लिए आपको नीचे दिया गया सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट करना चाहिए। सेल्फ हेल्प काफी होगी या आपको प्रोफेशनल मदद की जरूरत है। स्कोर का इंटरप्रिटेशन भी नीचे ग्राफिक में दिया है। सवालों को ध्यान से पढ़ें और अपना एसेसमेंट करें। मनोविज्ञान में मानसिक समस्याओं का हल करने के लिए प्रायः सीबीटी टेक्नीक का प्रयोग किया जाता है, जिसका अर्थ है कॉग्निटिव बिहेवियर टेक्नीक। आप खुद भी ये कर सकते हैं या जरूरत पड़ने पर एक्सपर्ट की मदद भी ले सकते हैं। इसे करने का मकसद सचेत तरीके से अपने सोचने के तरीके को बदलना है। यह समझना कि हमें जिस बात का डर सता रहा है, वो डर वाजिब है भी या नहीं। लगातार प्रैक्टिस और पॉजिटिव हस्तक्षेप से अपने सोचने के तरीके में बड़े सार्थक बदलाव किए जा सकते हैं। इसका एक उदाहरण नीचे ग्राफिक में दिया है। फिलहाल जो भी ख्याल आपको डराते हैं, आप खुद को उसका पॉजिटिव जवाब कैसे दें।अनेकों साइंस रिसर्च और स्टडी से यह साबित हो चुका है कि अल्जाइमर का फूड हैबिट्स और लाइफ स्टाइल से बिल्कुल सीधा संबंध है। इसलिए मैं आपको तीन प्रमुख सुझाव देना चाहूंगा- फूडः अपने भोजन को लेकर बहुत सचेत रहें। अच्छा, हेल्दी, फाइबरयुक्त खाना खाएं। टॉक्सिनः सिगरेट-शराब से दूरी बनाकर रखें। स्लीपः रोज 8 घंटे की नींद जरूर लें और तनाव से दूर रहें। वर्कआउटः रेगुलर एक्सरसाइज करें।14 यूनिट/सप्ताह से ज्यादा शराब लेने पर ब्रेन के ग्रे मैटर वॉल्यूम में कमी देखी गई है। नियमित शराब के सेवन से वर्किंग मेमोरी, फंक्शनल मेमारी पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। शराब पीने से स्लीप क्वालिटी खराब होती है, न्यूरोरेस्टोरेशन घटता है। यदि आप डिमेंशिया से बचना चाहते हैं तो शराब से दूर रहना बहुत जरूरी है।ब्रह्मरी प्राणायामः यह चिंता को कम करता है और एकाग्रता को बढ़ाता है। नाड़ी शोधन प्राणायामः इससे फोकस बढ़ता है। त्राटक : इससे विजुअल फोकस बढ़ता है और ब्रेन एक्टिवेशन होता है। वज्रासन व ध्यानः इससे डाइजेशन अच्छा रहता है। ब्रेन का फ्रंटल लोब बेहतर काम करता है।

कोविड के बाद बढ़ रहे हेपेटाइटिस केसेज:इसके लक्षणों को लेकर रहें सचेत

नयी दिल्ली। केरल में हेपेटाइटिस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। केरल का त्रिशूर जिला इसके संक्रमण का केंद्र बन गया है, जहां मामले इतनी तेजी से बढ़ रहे हैं कि स्थानीय लोग घबरा रहे हैं।

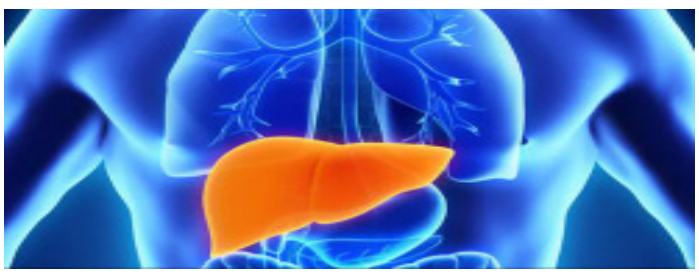

स्वास्थ्य विभाग ने आपातकालीन चेतावनी जारी की है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। इस साल अप्रैल के अंत तक केरल में हेपेटाइटिस के 3,227 मामले सामने आए हैं और 16 मौतें हो चुकी हैं। इसमें एर्नाकुलम, मलप्पुरम और कोझिकोड सबसे ज्यादा प्रभावित जिले रहे हैं। अब त्रिशूर संक्रमण का नया केंद्र बन गया है। पिछले साल केरल में हेपेटाइटिस-ए के 7,943 मामले दर्ज हुए थे और 81 लोगों की मौत हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, किसी संक्रमण से होने वाली मौतों के लिए ट्यूबरकुलोसिस के बाद हेपेटाइटिस दूसरी सबसे बड़ी वजह है। इससे हर साल लगभग 13 लाख लोगों की मौत होती है। इसका मतलब है कि हेपेटाइटिस से दुनिया में हर दिन लगभग 3500 लोगों की मौत होती है। केरल में अचानक तेजी से बढ़ रहे मामले चिंता का विषय बन गए हैं।हेपेटाइटिस लिवर में होने वाला इंफ्लेमेशन है, जो वायरस, टॉक्सिन्स या ऑटोइम्यून बीमारियों के कारण होता है। इंफ्लेमेशन हमारे शरीर का इंफेक्शन या इंजरी के प्रति रिस्पॉन्स है। यह एक गंभीर कंडीशन है, जिससे लिवर को काफी नुकसान हो सकता है।आमतौर पर हेपेटाइटिस 2 तरह का होता है- एक्यूटः यह अल्पकालिक होता है, जो लगभग 6 महीने में ठीक हो सकता है। 2. क्रॉनिकः यह लंबे समय तक बना रहता है।इसके अलावा इसे 5 और तरह से बांटा जाता है, हेपेटाइटिस ए, बी,सी,डी, और ई। हेपेटाइटिस के कारण शुरुआत में थकान, पेट के दाहिनी ओर दर्द, भूख न लगना, दस्त और हल्के बुखार जैसे लक्षण दिख सकते हैं। क्रॉनिक हेपेटाइटिस में लक्षण गंभीर हो सकते हैं।हेपेटाइटिस अलग-अलग तरीकों से फैलता है। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन या गंदे पानी के कारण फैल सकता है। जबकि, हेपेटाइटिस बी और सी खून के संपर्क से जैसे नीडल शेयर करने से, अनसेफ सेक्स से या जन्म के दौरान मां से बच्चे में फैल सकता है। हेपेटाइटिस डी तब होता है, जब किसी को पहले से हेपेटाइटिस बी है, क्योंकि इसे बी वायरस की जरूरत होती है। गर्मी और बरसात में हेपेटाइटिस ए और ई के मामले इसलिए बढ़ जाते हैं, क्योंकि गर्मियों में साफ पीने के पानी की समस्या हो जाती है। खाना जल्दी खराब हो जाता है। असल में गर्म मौसम में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, खासकर गंदगी वाले स्ट्रीट फूड या दूषित पानी में ये और तेजी से पनप सकते हैं। पानी की कमी या खराब जल आपूर्ति से भी संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए गर्मियों में साफ पानी पीना और स्वच्छ भोजन करना बहुत जरूरी है।सभी तरह के हेपेटाइटिस खतरनाक नहीं होते हैं, जबकि कुछ गंभीर हो सकते हैं। हेपेटाइटिस ए आमतौर पर हल्का होता है और अक्सर सामान्य इलाज से ही ठीक हो जाता है। हेपेटाइटिस बी और सी क्रॉनिक हो सकते हैं, जिससे सिरोसिस, लिवर कैंसर या लिवर फेल्योर का खतरा हो सकता है। हेपेटाइटिस डी और ई भी गंभीर हो सकते हैं, खासतौर पर जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर है। टॉक्सिक और ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस भी लिवर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सही समय पर इलाज और देखभाल से जोखिम कम किया जा सकता है। हां, हेपेटाइटिस का इलाज संभव है, लेकिन यह हेपेटाइटिस के प्रकार पर निर्भर करता है। हेपेटाइटिस ए का इलाज आसानी से हो सकता है। हेपेटाइटिस सी को डायरेक्ट-एक्टिंग एंटीवायरल दवाओं से पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। हेपेटाइटिस बी का क्रॉनिक रूप पूरी तरह ठीक नहीं होता है, लेकिन एंटीवायरल दवाओं से इसे काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। अगर टॉक्सिक हेपेटाइटिस है तो इलाज के साथ शराब या टॉक्सिन्स से बचना जरूरी है। इनके गंभीर मामलों में लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ सकती है।हां, हेपेटाइटिस ए और बी से बचाव के लिए प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध हैं। ये वैक्सीन बच्चों और वयस्कों को दी जा सकती हैं। इसकी वैक्सीन उन लोगों को जरूर लगवानी चाहिए, जिन्हें इसका जोखिम ज्यादा रहता है, जैसे कोई स्वास्थ्यकर्मी है। हेपेटाइटिस सी ,डी , और ई के लिए अभी तक कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। वैक्सीनेशन के साथ-साथ स्वच्छता का ध्यान रखना बेहद जरूरी है, जैसे साफ पानी पीना और सेफ सेक्स का ध्यान रखें। अपने डॉक्टर से कंसल्ट करके वैक्सीनेशन शेड्यूल कर सकते हैं और जरूरतों के बारे में जानकारी ले सकते हैं, ताकि आप सुरक्षित रहें। कुछ तरह के हेपेटाइटिस संक्रामक होते हैं। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन या पानी से फैल सकते हैं। हेपेटाइटिस बी और सी खून, अनसेफ सेक्स या शेयर्ड नीडल के जरिए फैलते हैं। हेपेटाइटिस बी जन्म के दौरान मां से बच्चे में भी जा सकता है।अगर हेपेटाइटिस बहुत लंबे समय तक बना रहे या संक्रमण बहुत गंभीर हो जाए तो यह कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं: सिरोसिस- यह लिवर में होने वाला घाव या स्कार होता है। अगर लिवर में बार-बार डैमेज हो रहा है और खुद इसे रीजनरेट करके ठीक करने की कोशिश करता है, तो उसमें निशान यानी घाव बन जाते हैं। यह एक गंभीर लिवर प्रॉब्लम है। लिवर कैंसर- हेपेटाइटिस बी और सी वायरस से होने वाली सिरोसिस से लिवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। यह लिवर कैंसर का सबसे कॉमन प्रकार है। लगभग आधे केस इन्हीं वायरस के कारण होते हैं।लिवर फेल्योर- जब लिवर पूरी तरह काम करना बंद कर देता है तो उसे लिवर फेल्योर कहते हैं। अगर वायरल हेपेटाइटिस तेजी से लिवर को नुकसान पहुंचा रहा है, तो यह कभी यह अचानक से फेल हो सकता है। लंबे समय तक सिरोसिस रहने से भी ऐसा हो सकता है। पोर्टल हाईपरटेंशन- जब सिरोसिस के कारण लिवर में ब्लड सप्लाई करने वाली मुख्य नसों में रुकावट आ जाती है तो खून का दबाव बढ़ जाता है। इसे पोर्टल हाईपरटेंशन कहते हैं।

रक्तदान के 6 बड़े मिथ और सच्चाई, एक्सपर्ट से जानें इसके फायदे, कौन कर सकता है रक्तदान

नयी दिल्ली। यह दिन महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर की याद

में मनाया जाता है। उन्होंने एबीओ ब्लड ग्रुप सिस्टम की खोज कर मेडिकल साइंस को नई दिशा दी थी। रक्तदान एक ऐसा मानवीय कार्य है, जो किसी जरूरतमंद को नई जिंदगी दे सकता है। हालांकि आज भी समाज में इससे जुड़ी कई गलतफहमियां मौजूद हैं। कई लोगों को लगता है कि खून देने से शरीर कमजोर हो जाएगा, चक्कर आएंगे या सेहत बिगड़ जाएगी। वहीं कुछ मानते हैं कि सिर्फ जवान, ताकतवर या पूरी तरह फिट लोग ही रक्तदान कर सकते हैं। तो चलिए, आज जरूरत की खबर में बात ब्लड डोनेशन को लेकर प्रचलित मिथक और उनकी सच्चाई के बारे में। साथ ही जानेंगे कि- कौन लोग ब्लड डोनेट कर सकते हैं? स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में हर साल करीब 1.46 करोड़ यूनिट ब्लड की जरूरत होती है, लेकिन करीब 10 लाख यूनिट की कमी बनी रहती है। इस कमी का बड़ा कारण सिर्फ जागरूकता की कमी ही नहीं है, बल्कि रक्तदान को लेकर फैली अनेक भ्रांतियां और डर भी हैं। बहुत से लोग गलत धारणाओं के कारण इस जरूरी और जीवनरक्षक कार्य से दूर रहते हैं।ब्लड डोनेशन से पहले डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ कुछ जरूरी जांच करते हैं। जैसेकि- हार्टबीट सामान्य है या नहीं। बॉडी टेम्परेचर और ब्लड प्रेशर सामान्य है या नहीं। ब्लड में आयरन की मात्रा ठीक है या नहीं। इन जांचों से ब्लड डोनर और ब्लड रिसीवर

दोनों सुरक्षित रहते हैं। ये जांचें आमतौर पर कुछ मिनटों में हो जाती हैं।नियमित रूप से ब्लड देने से शरीर में आयरन का संतुलन बना रहता है। ज्यादा आयरन जमा होने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है। साथ ही इससे ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में रहता है, जिससे हार्ट हेल्थ बेहतर होती है। एक और बड़ा फायदा यह है कि ब्लड डोनेशन से पहले बेसिक हेल्थ चेकअप होता है। इसमें वजन, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन और ब्लड में किसी इन्फेक्शन की जांच की जाती है। इससे अपनी सेहत की शुरुआती जानकारी मिलती रहती है, जो आमतौर पर हम रोजमर्रा की जिंदगी में नहीं करवाते हैं।हर कोई ब्लड डोनेट नहीं कर सकता है। इसके लिए कुछ जरूरी शर्तें होती हैं, जो यह तय करती हैं कि आप ब्लड डोनेट के लिए फिट हैं या नहीं। उदाहरण के लिए आपकी उम्र, वजन, सेहत और हाल की मेडिकल हिस्ट्री को ध्यान में रखा जाता है। ब्लड डोनेट एक सरल प्रक्रिया है, लेकिन इसके पहले और बाद में कुछ छोटी-छोटी सावधानियां बरतनी जरूरी हैं। इससे न सिर्फ डोनर सुरक्षित रहता है, बल्कि रक्तदान का अनुभव भी बेहतर बनता है।ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित और इन्फेक्शन-फ्री बनाए रखने के लिए ब्लड बैंक कई सख्त सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन करता हैं।डिस्पोजेबल सुई और कलेक्शन किट का इस्तेमाल हर डोनर के लिए एक बार इस्तेमाल होने वाली सुई और ब्लड बैग का प्रयोग किया जाता है, जिसे डोनेशन के तुरंत बाद सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया जाता है। इससे इन्फेक्शन का कोई खतरा नहीं रहता है।रक्तदान से पहले डोनर का वजन, तापमान, ब्लड प्रेशर, पल्स और हीमोग्लोबिन की जांच की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डोनर फिट है।ब्लड डोनेशन से पहले और बाद में इस्तेमाल किए जाने वाले सभी उपकरणों को सैनिटाइज किया जाता है। स्टाफ भी हैंड ग्लव्स पहनता है।ब्लड कलेक्शन का पूरा काम प्रशिक्षित डॉक्टरों और नर्सों की निगरानी में किया जाता है ताकि किसी भी इमरजेंसी को तुरंत संभाला जा सके।डोनेट किए गए हर यूनिट ब्लड की एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और सी, मलेरिया, सिफलिस जैसी बीमारियों के लिए जांच की जाती है, ताकि रिसीवर को सुरक्षित ब्लड मिल सके।किसी भी तरह की प्रतिक्रिया जैसे कमजोरी, चक्कर आने की स्थिति में तुरंत मदद के लिए ब्लड बैंक में प्राथमिक चिकित्सा और जरूरी दवाएं उपलब्ध रहती हैं।

आईपीएल से चुनी जाएगी वन-डे वर्ल्ड कप 2027 की टीम:20 इंडियन प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट, सिलेक्टर्स उनकी परफार्मेंस और फिटनेस पर नजर रखेंगे

नयी दिल्ली। 28 मार्च से शुरू हो रहा आईपीएल भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टी-20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस आईपीएल के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा। इतना ही नहीं, पंजाब मुल्लांपुर में 6 से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में भी टीम इंडिया अपनी फुल-स्ट्रेंथ के साथ उतरेगा। सारे सीनियर खिलाड़ी इसमें खेलेंगे। बीसीसीआई ने सिलेक्टर्स को मैच देखने की जिम्मेदारी बांट दी गई है। हर चयनकर्ता हफ्ते में कम से कम एक आईपीएल मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, ताकि हर सप्ताह शॉर्टलिस्ट प्लेयर्स की पांच मैचों की ग्राउंड रिपोर्ट तैयार हो सके। इसके अलावा बाकी मैचों को टीवी के जरिए ट्रैक किया जाएगा। इस बार चयनकर्ता नए उभरते खिलाड़ियों के बजाय पहले से तय वनडे कोर ग्रुप के प्लेयर्स पर ही ध्यान देंगे।चयनकर्ताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मुंबई में रहेंगे, जबकि एसएस दास कोलकाता से मैच देखेंगे। वहीं आरपी सिंह और अजय रात्रा एनसीआर क्षेत्र में मौजूद रहेंगे, जबकि प्रज्ञान ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में मुकाबलों पर नजर रखेंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारत अपनी फुल-स्ट्रेंथ टीम उतारेगा। हालांकि इस मैच में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक नहीं मिलेंगे, फिर भी टीम मैनेजमेंट इसे हल्के में नहीं ले रहा है। अगस्त से मार्च के बीच भारत को 9 टेस्ट खेलने हैं, ऐसे में सभी रेड-बॉल खिलाड़ी इस मुकाबले में उपलब्ध रहेंगे। यह भी तय माना जा रहा है कि बुमराह और सिराज, अगर आईपीएल के दौरान फिट रहते हैं, तो अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

अर्थव्यवस्था में सोने का और बेहतर उपयोग कैसे करें?

आज भारतीय परिवारों के पास दुनिया के दस सबसे बड़े केंद्रीय बैंकों- अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, चीन, इटली, स्विट्जरलैंड, जापान, तुर्किये और खुद भारत के स्वर्ण भंडारों से भी अधिक सोना है! भारतीय घरों में लगभग 25,000 टन सोना रखा हुआ है। यह

अमेरिकी सरकार के स्वर्ण भंडार (8,133 टन) का तीन गुना और भारतीय रिजर्व बैंक (879 टन) के स्वर्ण भंडार का लगभग 30 गुना है।आज की कीमतों के हिसाब से भारत के घरेलू सोने की कीमत कितनी होगी? सोने के मूल्य लंबे समय से बढ़ रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के

कारण इनमें उछाल आया है। लगभग एक लाख रुपए (1,200 डॉलर) प्रति तोला (10 ग्राम) की वर्तमान कीमत के हिसाब से भारतीय घरों में रखे 25,000 टन सोने का मूल्य लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर ठहरता है। यह भारत की 2025 की जीडीपी 4.19 ट्रिलियन डॉलर का लगभग 75 प्रतिशत है।अनुमान है कि इनमें भी भारतीय महिलाओं के पास ही 24,000 टन से ज्यादा सोना है। यह अमेरिका सहित जर्मनी (3,300 टन), इटली (2,450 टन), फ्रांस (2,400 टन) और रूस (1,900 टन) के केंद्रीय बैंकों के सोने के भंडार से ज्यादा है। ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास दुनिया के कुल सोने का 11 प्रतिशत हिस्सा है।सोने से भारतीयों के इस असीम लगाव की वजह क्या है? इसे एक सुरक्षित और स्थिर निवेश माना जाता है। पिछले 25 वर्षों में ही सोने की कीमत 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है- यानी 25 वर्षों में 25 गुना वृद्धि। चक्रवृद्धि आधार पर तो सोने का मूल्य प्रति वर्ष लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है और यह लगभग हर पांच साल में दोगुना हो रहा है।इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 2000 से 2025 के बीच 6,000 से बढ़कर 80,000 से अधिक अंकों तक पहुंचा है- यानी 25 वर्षों में लगभग 14 गुना वृद्धि। यह 12 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) बताता है।लंबी अवधि में सोना इक्विटी से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। स्टॉक के विपरीत, सोने की कीमतें कम अस्थिर होती हैं। दुनिया की सबसे रूढ़िवादी निवेशकों में से एक भारतीय महिलाओं को यह बात अच्छी तरह से पता है।सोने ने भारतीय परिवारों को शादियों के लिए पैसे जुटाने और दिवालिया होने से बचाने में मदद की है। लेकिन वित्तीय सुरक्षा के लिए रखे गए एक डेड-एसेट के बजाय भारत की अर्थव्यवस्था में सोने का अधिक प्रोडक्टिव उपयोग कैसे किया जा सकता है?आरबीआई की स्वर्ण निवेश योजना को सीमित सफलता मिली है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का उद्देश्य सोना रखने का विकल्प प्रदान करना है।

जैसा कि आरबीआई कहता है, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है। इसमें स्टोरेज का जोखिम और लागत समाप्त हो जाती है।निवेशकों को मैच्योरिटी के समय सोने के बाजार मूल्य और आवधिक ब्याज का आश्वासन दिया जाता है। आभूषण के रूप में सोने के उपयोग के मामले में भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड समस्याओं से मुक्त है। लेकिन भारतीयों में भौतिक सोने का आकर्षण इतना प्रबल है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पूरी तरह से लोकप्रिय नहीं हो पाया है।भारत ने 2024-25 में 58.01 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया। तस्करी को कम करने के उद्देश्य से आयात शुल्क में 15 से 6 प्रतिशत की कटौती ने 2023-24 में सोने के आयात को 27 प्रतिशत बढ़ाने में मदद की।2024-25 में भारत का व्यापारिक और सेवा व्यापार में कुल घाटा 94.26 अरब डॉलर था। इसलिए 2024-25 में भारत के आयात में 58.01 अरब डॉलर का सोना भारत के व्यापार घाटे का एक प्रमुख घटक है। वैसे भारत के आयात बिल में सबसे बड़ा घटक कच्चा तेल है, जिसका 2024-25 में 133 अरब डॉलर का योगदान था। सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए। लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। सोने के प्रति आकर्षण आर्थिक के साथ ही सांस्कृतिक और भावनात्मक भी है। चूंकि भारतीय महिलाओं के पास 3 ट्रिलियन डॉलर मूल्य का 24,000 टन से अधिक सोना है और पिछले वित्तीय वर्ष में भी उन्होंने 58 अरब डॉलर मूल्य का अनुमानित 600 टन सोना खरीदा है, इसलिए सोने की कीमतों में उछाल बने रहने की संभावना है।सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए। लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

बच्चों को क्रिएटिव बनाने की शुरुवार बचपन से ही होती हैं जो संसाधन देंगे वही बच्चा इस्तेमाल करेगा

मुझे पता है, आप क्या सोच रहे हैं? दरअसल, ये कहना आसान है और करना मुश्किल। खासकर तब जब कोई व्यक्ति ट्रेन

की बोगी में कई सारी गेंदें और गुड़िया लटकाए घूम रहा है और बार-बार आकर कह रहा है कि कौन मुन्ना रो रहा है? मैं उसे दो सेकंड में खुश कर दूंगा और वह एक रबर की पारदर्शी गेंद रेलवे बर्थ के बीच फेंकता है और गेंद अचानक कई रंगों में चमकने लगती है। और बच्चा कहता है कि 'मुझे वो बॉल चाहिए।' बच्चे को समझाने की कोशिश करें कि यह 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं करेगी तो सेल्समैन आप पर टूट पड़ता है कि सर, मैं गारंटी देता हूं कि मुन्ना आपकी वापसी की यात्रा में भी इसी से खेलेगा।मैं हमेशा इसी ट्रेन में रहता हूं। अगली गर्मियों में भी यदि ये गेंद काम नहीं करे आप आकर इसे वापस कर सकते हो। मैं बिना कोई सवाल पूछे इसे बदल दूंगा।' इस बीच आप देखेंगे कि बच्चा पहले ही बॉल से खेलने लग गया है और उसे दूसरी बर्थों पर लुढ़काने लगा है।आपके पास इसे खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। और ऐसी खरीदारी कर चुके आपमें से अधिकांश लोग मुझसे सहमत होंगे कि ऐसी गेंदें एक यात्रा में भी नहीं चल पाती। या तो बच्चा इसे खो देता है या फिर गेंद की वो चमकीली लाइटें बंद हो जाती हैं, जो फर्श पर मारने के बाद बच्चे को आकर्षित करती थीं।ज्यादातर दूसरा वाला कारण अधिक सामान्य है। अब यह बॉल आपके बैग में रखी हुई एसी कार से घर वापसी की यात्रा कर रही है। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैडलाइन के साथ शुरूआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे सुझाव पेश हैं।4 वर्ष उम्र वालों के लिएः हिसार में एक स्कूल चलाने वाले मेरे दोस्त हरिपाल पिलानिया ने मुझे लकड़ी के क्यूब्स दिए, जिनसे बच्चे रूबिक क्यूब बना सकते हैं। यकीन मानें, यह गेम आज भी मेरे घर पर 10 साल से है और जो बच्चे मेरे घर आते हैं, बिना थके इससे खेले हैं, चाहे फिर वह 10 साल के हों।6 वर्ष उम्र वालों के लिएः कैट एंड रैट थीम वाले कार्ड गेम। मैंने इसे अमेरिका से खरीदा था। बच्चे ताश खेलने वाले बड़ों की नकल पसंद करते हैं। अकेली बिल्ली किसी चूहे पर भारी पड़ जाए या चूहों का एक समूह बिल्ली को घेर ले, यह वाकई मजेदार खेल है। यहां तक कि हमारी उम्र के लोग भी इसे खेल सकते हैं। मुझे बताओ कि ' रैट-ए-टैट कैट' जैसे गेम खेलने का किसका मन नहीं करेगा?8 वर्ष उम्र वालों के लिएः कई सारे ऐसे कलरफुल जर्नल्स हैं, जो प्रश्नों से भरे होते हैं, उनमें इलस्ट्रेशन और ड्रॉइंग के लिए संकेत होते हैं- उदाहरण के लिए 'यदि मेरे पास एक रोबोट होता तो मैं इसे प्रोग्राम करने के लिए कहता.(ऐसी चीजें मेरे दिमाग में है)10 वर्ष उम्र वालों के लिएः नए बेकर्स और उत्सुक कुक्स के लिए शेफ इन ट्रेनिंग एक गेम है। इसमें मिनी व्हिस्क, स्पेचुला, नापने वाला कप और कई सारी चीजें होती हैं। यह उन्हें अंडे फेंटने और सलाद सजाने जैसे कुछ काम सीखने में मदद करता है। फंडा यह है कि अलग-अलग उम्र के लिए ऐसा सही उपहार चुनना, जिसे वे संभाल कर रखें और ये आसान काम नहीं है। सबसे पहले हमें खुद को रचनात्मक होना पड़ेगा और उससे अधिक उपयोगिता के बारे में सोचना होगा कि वह गिफ्ट उसे बोर ना करे। यदि आपके पास कुछ सुझाव हैं, तो शेयर करें, ताकि मैं सभी पाठकों को इस बारे में बता सकूं।

परमात्मा पर जितना भरोसा, संसार से उतने ही कम धोखे

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते, कर्म करने का दबाव परेशान नहीं करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव का अर्थ है मैं यह काम कर रहा हूं। ये जो मैं हैं, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक परम शक्ति है, जो हम से करा रही है, तो हम कर रहे हैं।

आजकल हमारे जीवन में सहज ही डिजिटल मीडिया के कारण कई वैद्य-डॉक्टरों की भरमार हो गई है। स्वास्थ्य को लेकर जानकारियों की झड़ी लगी हुई है और हम सब भी कुछ न कुछ करने के लिए इस सबमें उतर जाते हैं। झूठे आश्वासन, अतार्किक चिकित्सा, अंधविश्वास से भरी धार्मिक कथाओं, ?फिजूल के किस्सों आदि के लपेटे में न आएं। ये अप्रत्याशित समाधान जो सोशल मीडिया से पेश किए जा रहे हैं, इनके प्रति अतिरिक्त सावधान रहें। परमात्मा पर जितना भरोसा होगा, उतनी सावधानी जीवन में आ जाएगी और संसार से उतने ही धोखे कम मिलेंगे।

कामयाबी के लिए खुद को न बदलें,चुनौतियों की ओर दौड़कर जाएं,बड़े मौके वहीं,संशय हो तो रुकें, सीखें,फिर बढ़ें-? मेलिंडा का मंत्र

न्यूयॉर्क। दुनिया की शीर्ष 10 अरबपति महिलाओं में शामिल और पिवोटल की प्रमुख मेलिंडा फ्रेंच ने युवाओं से कहा है,'डिग्री लेना ही असली बदलाव नहीं है। असली बदलाव तो तब शुरू होता है जब आप अगले दिन सोकर उठते हैं और खुद से पूछते हैं- क्या मैं वाकई उस रास्ते पर हूं जहां पहुंचना चाहता

हूं...? एक पॉडकास्ट में उन्होंने कहा, 'अगर आप आज अपनी राह को लेकर संशय में हैं, तो रुकिए, सीखिए और आगे बढ़िए।' पढ़िए खास अंश- आज की युवा पीढ़ी के लिए जॉब मार्केट भूलभुलैया से कम नहीं है। एक ओर एआई काम के पुराने तरीकों को निगलने को तैयार है, तो दूसरी तरफ करियर की सीखने का अवसर- करियर के शुरुआती दौर में जब चीजें योजना के मुताबिक नहीं होतीं, तो घबराने के बजाय रुकें। चाहे बदलाव कठिन हो या आसान, अगर हम खुद को सीखने का समय देते हैं, तो ऐसे दौर में हमारी प्रगति सबसे ज्यादा होती है। अनिश्चितता डराती है। मुझे लगता है कि यही असल में विकास की सबसे उपजाऊ जमीन है। बदलाव अनिश्चितता से भागें नहीं, उसे आत्मसात करें। ट्रांजिशन को समझने की प्रक्रिया अक्सर डिग्री के बाद शुरू होती है। वहीं से आप अपनी स्थिति को प्रोसेस करते हैं। यही लीडरशिप का भी केंद्र है।व्यक्तिगत मूल्यों को अहमियत दें। माइक्रोसॉफ्ट में रहते हुए शुरुआत में मुझे लगा कि मैं ऑफिस के 'गेम' जीतने के चक्कर में ऐसी इंसान बनती जा रही हूं, जिसे मैं खुद पसंद नहीं करती। तब तत्काल राह बदलने का फैसला लिया। कंपनी की संस्कृति मूल्यों से मेल नहीं खाती, तो वहां कितनी भी तरक्की मिल जाए, वह कभी भी संतुष्ट नहीं करेगी। अपनी असल पहचान के साथ नेतृत्व- करियर के शुरुआती दो वर्षों में मैंने यह सबक सीखा कि दूसरों की तरह 'रफ-एंड-टफ' बनने की जरूरत नहीं है। अपनी सच्ची पहचान के साथ मैंने काम करना शुरू किया और सफल रही। युवाओं के लिए संदेश साफ है....आपको सफल होने के लिए अपनी शख्सियत बदलने की जरूरत नहीं है; जो आप हैं, वही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। मुश्किल प्रोजेक्ट चुनें- कठिन समस्याओं की ओर टहलकर नहीं, बल्कि दौड़कर जाइए। वहीं आपको सबसे बड़े अवसर मिलेंगे। अगर आपके सपने आपको डराते नहीं हैं, तो वे बड़े नहीं हैं। इसलिए दोबारा सोचने की जरूरत है। करियर की शुरुआत में मुश्किल प्रोजेक्ट्स लेना ही आपको दूसरों से अलग खड़ा करेगा।' - मेलिंडा

'चुपचाप भुगतने दो' की कला में आलोचना झेलने का तरीका छिपा है!

सैकड़ों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भरी दुनिया में किसी को भी अपनी राय व्यक्त करने के लिए दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं, लेकिन हर विषय पर अपनी विशेष टिप्पणी देना तो जैसे कई लोगों का शगल

बनता जा रहा है। चाहे उन्हें उस क्षेत्र का ज्ञान हो या न हो। वे हर चीज पर टीका-टिप्पणी करते हैं और किसी भी बात को तिल का ताड़ बना सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो अपने अच्छे काम के बावजूद भी लोगों की शिकायतों की बौछार से परेशान हो जाते हैं, तो यह कहानी आपके लिए है।जयपुर में एक महिला हैं, जो एक पेइंग गेस्ट हाउस चलाती हैं। उनका एक पुश्तैनी घर है, जिसमें 10-12 बड़े कमरे हैं। उन्होंने हर कमरे में 3 बिस्तर लगा रखे हैं। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में भोजन भी मिलता है। उन्हें खाना खिलाने का बहुत शौक है। वे बड़े मन से खाना बनाती और खिलाती हैं। उनके यहां इतना शानदार भोजन मिलता है कि कोई बढ़िया से बढ़िया शेफ भी वैसा नहीं बना सकता। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में ज़्यादातर नौकरी करने वाले लोग और छात्र रहते हैं। सुबह का नाश्ता और रात का भोजन तो सभी लोग करते ही हैं। और जिसे ज़रूरत होती है, वे दोपहर का भोजन पैक करके भी देती हैं। लेकिन उनके यहां एक बड़ा अजीब नियम है। हर महीने में सिर्फ 28 दिन ही भोजन बनता है। बाकी 2 या 3 दिन सबको होटल में खाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि आप पेइंग गेस्ट हाउस की रसोई में खुद कुछ बना लें। रसोई उन 2-3 दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहती है। हर महीने के आखिरी तीन दिन मेस बंद रहता है। सभी को होटल में खाना पड़ता है, और चाय भी बाहर जाकर पीनी होती है।जब किसी ने पूछा कि यह क्या अजीब नियम है? आपकी रसोई केवल 28 दिन ही क्यों चलती है? वे बोलीं, 'शुरू में यह नियम नहीं था।

मैं इसी तरह, इतने ही प्यार से खाना बनाती और खिलाती थी। पर उनकी शिकायतें कभी खत्म ही नहीं होती थीं। कभी यह कमी है, कभी वह कमी है- हमेशा असंतुष्ट और आलोचना करते रहते थे। इसलिए तंग आकर मैंने यह 28 दिन वाला नियम बना दिया।

28 दिन प्यार से खिलाओ और बाकी 2-3 दिन बोल दो कि जाओ, बाहर खाओ। उन 3 दिनों में, उन्हें नानी याद आ जाती है।

उन्हें आटे-दाल का भाव पता चल जाता है। उन्हें पता चल जाता है कि बाहर कितना महंगा और कितना घटिया खाना मिलता है।

दो घूंट चाय भी 15-20 रुपये की मिलती है। उन्हें मेरी कीमत ही इन 3 दिनों में पता चलती है।

इसलिए बाकी 28 दिन वे बहुत कायदे में रहते हैं। 70 वर्षीय शारदा और उनके 75 वर्षीय पति सीताराम अग्रवाल का ईमेल मिला। वे रायपुर के तेलीबांधा से हैं। उन्होंने लिखा कि कैसे कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के समिति सदस्यों की, वहां के रहवासी बिना वजह आलोचना करते हैं। और रहवासी, समिति सदस्यों से ऐसे पेश आते हैं, मानो वे सैलरी पर रखे हुए कोई कर्मचारी हों, जबकि वे लोग तो स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

उन्होंने दुखी होकर बताया कि अमूमन सभी हाउसिंग सोसायटी के यही हाल हैं, जहां अगर कॉलेनी में किसी भी सुविधा में कमी या उसका अभाव दिखता है, तो रहवासी आपे से बाहर हो जाते हैं। सीताराम जी ने मेरे साथ फोन पर बातचीत में बताया कि इससे असंतोष बढ़ता है और अच्छे दिल से काम करने वाले वॉलेंटियर भी सामाजिक कामों से खुद को दूर कर लेते हैं।

फंडा यह है कि अगर आप चाहते हैं कि ग्राहक आपकी निष्ठा, प्रतिबद्धता और गुणवत्ता का मूल्य समझें, तो उनकी बात पर कोई प्रतिक्रिया न दें, बस अपनी अनुपस्थिति से उन्हें आपकी प्रतिबद्धता का एहसास कराएं। जब वे चुपचाप भुगतेंगे और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की कमी का अनुभव करेंगे, तभी वे आपका सम्मान करेंगे।

नींद न आना समस्या है, नींद का बार-बार टूटना और बड़ी समस्या

आज एक समस्या तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है- नींद टूटना या नींद पूरी न होना। बहुत लोग इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं और सोचते हैं यह केवल तनाव या थकान की वजह से है।

लेकिन नींद से जुड़ी समस्याएं अब बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बनती जा रही हैं। समय रहते इसके कारणों को समझकर इलाज न किया जाए, तो यह गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। नींद न आना एक समस्या है, लेकिन नींद का बार-बार टूटना उससे भी अधिक गंभीर स्थिति हो सकती है। कई लोग मानते हैं कि उनकी नींद तनाव या चिंता के कारण टूटती है, लेकिन अकसर इसके पीछे शारीरिक कारण भी होते हैं। बड़ी संख्या में लोगों की नाक में किसी न किसी प्रकार का ब्लॉकेज पाया जाता है। यह ब्लॉकेज एलर्जी, साइनस की समस्या या नाक की हड्डी के टेढ़े होने की वजह से हो सकता है। जब नाक पूरी तरह खुली नहीं होती, तो सांस सामान्य रूप से नहीं चलती और इसका असर नींद पर पड़ता है। ऐसे में नींद बार-बार टूटती है। अकसर लोग इस समस्या को समझ नहीं पाते और बार-बार नोज ड्रॉप या स्प्रे का इस्तेमाल करते रहते हैं। इससे कुछ समय के लिए राहत मिल सकती है, लेकिन असली कारण का इलाज नहीं हो पाता। इसलिए अगर नाक लंबे समय तक बंद रहती है या बार-बार सर्दी-जुकाम होता है, तो इसकी सही जांच कराना जरूरी है। नींद टूटने की समस्या का एक कारण स्लीप एपनिया भी है। एक अध्ययन के अनुसार लगभग 32.5फीसदी लोगों में मॉडरेट से गंभीर स्लीप एपनिया पाया गया है। इस स्थिति में सोते समय व्यक्ति की सांस एक घंटे में 15 से अधिक बार रुक सकती है।यानी लगभग हर चार मिनट में एक बार सांस 10 सेकंड से अधिक समय के लिए रुक जाती है और शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम होने लगता है। लंबे समय तक ऐसा होने से हृदय रोग, हाई बीपी और हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ सकता है। स्लीप एपनिया और नींद टूटने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें बढ़ता हुआ मोटापा, खान-पान की आदतें, देर रात तक जागना, काम का तनाव और लंबा ट्रैवलिंग समय शामिल हैं। कुछ लोगों में अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी नींद में बाधा बनती हैं। कई पुरुषों में प्रोस्टेट की समस्या या एसिडिटी के कारण भी रात में बार-बार उठना पड़ता है, जिससे उनकी नींद बार-बार टूटती है। नाक और गले की संरचना से जुड़ी समस्याएं भी स्लीप एपनिया का कारण बन सकती हैं। अगर नाक की हड्डी टेढ़ी है या अंदर की संरचना में समस्या है, तो यह केवल दवाइयों से ठीक नहीं होती और कई मामलों में सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। स्लीप एपनिया बेहद खतरनाक है- दिन में अत्यधिक नींद आने के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से लेकर तलाक और गर्भधारण में दिक्कतों तक, स्लीप एपनिया कई समस्याएं पैदा करता है। इसलिए आवश्यक है कि बीमा में स्लीप एपनिया की सभी प्रकार की सर्जरी शामिल हो। अच्छी बात यह है कि आजकल नाक और साइनस की अधिकांश सर्जरी एंडोस्कोपिक यानी मिनिमली इनवेसिव तकनीक से की जाती हैं। इसमें मरीज को कम तकलीफ होती है। नींद से जुड़ी समस्याओं को समय रहते पहचानना और उनका इलाज कराना बहुत महत्वपूर्ण है। अकसर देखा जाता है कि लोग वर्षों तक इस समस्या को टालते रहते हैं और इलाज तब करवाते हैं, जब उम्र काफी बढ़ चुकी होती है। 60-70 वर्ष की उम्र के बाद शरीर में अन्य बीमारियां भी जुड़ जाती हैं, जिससे सर्जरी या उपचार अपेक्षाकृत जटिल हो सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें नींद को उतना ही महत्व देना चाहिए, जितना हम भोजन और काम को देते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं-डॉ. विकास अग्रवाल)

कमजोर हो चुका ईरान युद्ध लंबा क्यों खींच रहा और फिर भी सरेंडर से इनकार

जंग को महंगा बनाकर दुश्मन को झुकाने की कोशिश में जुटा

ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि युद्धविराम तभी संभव है, जब यह सुनिश्चित हो जाए कि दुश्मन दोबारा हमला नहीं करेगा। उनका कहना है कि अगर युद्धविराम से दुश्मन को अपनी ताकत फिर से

तैयार करने का मौका मिलता है, जैसे रडार ठीक करना या मिसाइल सिस्टम मजबूत करना तो ऐसा युद्धविराम बेकार है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान तब तक लड़ाई जारी रखेगा, जब तक दुश्मन अपने हमले पर पछतावा न करे और दुनिया और क्षेत्र में सही राजनीतिक और सुरक्षा हालात न बन जाएं।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि युद्ध के बाद होर्मुज स्ट्रेट के लिए नया नियम बनाया जाना चाहिए, जिसमें ईरान के हितों को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने कहा कि जहाजों की सुरक्षित आवाजाही कुछ खास शर्तों के तहत ही होनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान आगे चलकर अपने विदेशों में फंसे पैसे को छुड़ाने की मांग कर सकता है या इस समुद्री रास्ते का इस्तेमाल करने वाले देशों से टैक्स भी ले सकता है। गालिबाफ ने साफ कहा कि होर्मुज की स्थिति अब पहले जैसी नहीं रहेगी। अब 'युद्ध के बाद क्या होगा' इस सवाल पर भी दबाव बढ़ रहा है। दो दशकों तक पश्चिमी देशों और ईरान के बीच बातचीत चलती रही, लेकिन पिछले महीने अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला कर दिया। इस हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई और देश की सैन्य व प्रशासनिक व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा। इसके जवाब में ईरान ने तेज और लगातार हमले किए। उसने पूरे क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगियों पर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे। इससे खाड़ी देशों के साथ उसके रिश्ते और खराब हो गए और ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर भी असर पड़ा। खासकर होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमलों के कारण।मिडिल ईस्ट से जुड़े मामलों की एक्सपर्ट सिना तूस्सी ने सीएनएन से कहा कि ईरान चाहता है कि अभी जो दबाव है, उसे बाद में अपने फायदे में बदल सके। वह ऐसी स्थिति चाहता है जहां उसे अलग-थलग या खत्म करने की कोशिश न हो, बल्कि उसे क्षेत्र की स्थिरता का जरूरी हिस्सा माना जाए। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध हार रहा है। ट्रम्प ने भी कहा कि ईरान की सेना लगभग खत्म हो चुकी है और उसके नेता लगभग हर स्तर पर खत्म कर दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान फिर कभी अमेरिका, उसके सहयोगियों या दुनिया को धमकी न दे सके। लेकिन इसके कुछ ही घंटों बाद ईरान ने 61वीं बार हमला किया, जिसमें इजराइल में एक दंपति की मौत हो गई।जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नारगिस बाजोगली का कहना है कि पारंपरिक युद्ध के हिसाब से ईरान जीत नहीं रहा है, लेकिन उसे उसी तरह जीतने की जरूरत भी नहीं है। उसकी रणनीति अलग है। ईरान एक अलग रणनीति अपना रहा है, जिसमें वह युद्ध को इतना महंगा बना देना चाहता है कि सामने वाला देश उसे जारी न रख सके।

उनका कहना है कि अमेरिका और खाड़ी देश लंबे समय तक तेल व्यापार में रुकावट और बढ़ती कीमतों को सहन नहीं कर सकते। किसी समय वे कहेंगे कि अब बहुत हो गया और यही दबाव ईरान बनाना चाहता है। ईरान ने पहले से ही ऐसी स्थिति के लिए तैयारी कर रखी थी। रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने ऐसे प्लान बनाए थे कि बड़े हमले होने पर छोटे-छोटे यूनिट्स अलग-अलग जगहों से काम कर सकें।ईरान कहता है कि वह सिर्फ अमेरिकी हितों को निशाना बना रहा है, लेकिन उसके हमलों में ओमान, यूएई, बहरीन, कुवैत, कतर, इराक और सऊदी अरब में होटल, एयरपोर्ट, ऊंची इमारतें और ऊर्जा फैसिलिटीज भी प्रभावित हुई हैं। इससे साफ है कि ईरान क्षेत्र में नई ताकत का संतुलन बनाना चाहता है और भविष्य में अपने खिलाफ हमलों को रोकने के लिए डर पैदा करना चाहता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अब आईआरजीसी में एक नई पीढ़ी के कमांडर सामने आए हैं, जो पहले के नेताओं के मारे जाने के बाद उभरे हैं। इन नए नेताओं ने इराक और सीरिया में ईरान की ताकत का इस्तेमाल होते देखा है और उसी आधार पर वे फैसले ले रहे हैं। ईरान की रणनीति अब यह है कि वह अपनी स्थिरता को पूरे क्षेत्र की स्थिरता से जोड़ दे। मतलब अगर ईरान अस्थिर होगा, तो पूरा खाड़ी क्षेत्र भी अस्थिर हो सकता है। हाल के दिनों में जहाजों पर हमले और तेल बाजार में उतार-चढ़ाव ने दिखाया है कि ईरान के पास दबाव बनाने के मजबूत साधन हैं। ईरान की सेना के प्रवक्ता ने दावा किया कि मिडिल ईस्ट में अमेरिकी लीडरशिप वाली व्यवस्था अब खत्म हो चुकी है।हालांकि यह साफ नहीं है कि ईरान की यह रणनीति सफल होगी या नहीं। अब तक ज्यादातर खाड़ी देश इस युद्ध में सीधे शामिल नहीं हुए हैं, हालांकि उन पर हमले हुए हैं। ऐसे में कई देशों ने साफ कर दिया है कि वे अमेरिका और इजराइल के साथ अपने रिश्ते और मजबूत करेंगे। यूएई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सीएनएन से कहा कि खाड़ी देशों में ईरान को सबसे बड़ा खतरा माना जाता है और यह सोच आने वाले कई दशकों तक नहीं बदलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यूएई होर्मुज को खोलने के लिए किसी गठबंधन में शामिल हो सकता है। उनका मानना है कि ईरान की रणनीति गलतफहमी पर आधारित है और युद्ध के बाद खाड़ी देश इजराइल के और करीब आ सकते हैं। यूएई की एक मंत्री ने कहा कि उनके देश पर हमला होने के बावजूद अमेरिका और इजराइल के साथ उनके रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ उनका रिश्ता लंबे समय से बना हुआ है और यह भरोसे पर टिका है, जो संकट के समय भी नहीं टूटेगा।

पाकिस्तान को सस्ता तेल देने को तैयार रूस बोला- वो खुद बात करे,पाक के पास अब सिर्फ 10 दिन का ऑयल रिजर्व

मार्च में आने वाले 8 एलएनजी कार्गो में से सिर्फ 2 ही पहुंचे, जबकि अप्रैल में भी आधे से ज्यादा कार्गो नहीं पहुंच सकते। ऐसे में गैस की

सप्लाई घट सकती है और सरकार घरेलू इस्तेमाल के लिए गैस बचाने पर विचार कर रही है। हालात को संभालने के लिए पाकिस्तानी सरकार ने 23 अरब पाकिस्तानी रुपए की सब्सिडी देने का फैसला किया है, जो मोटरसाइकिल और रिक्शा चलाने वाले करीब 3 करोड़ लोगों को दी जाएगी। यह पैसा सरकार की बचत से दिया जाएगा, जो खर्च कम करने की पॉलिसी से आया है। सरकार रोजाना तेल के स्टॉक पर नजर रख रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि देश में अभी तेल की सप्लाई ठीक है और लोगों को बेवजह पेट्रोल जमा करने की जरूरत नहीं है। सरकार ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई जमाखोरी की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।रूस ने 2023 में भी पाकिस्तान को ऑयल सप्लाई की थी। तब जून 2023 में पहला जहाज कराची पहुंचा था। उस समय यह डील उतनी फायदेमंद साबित नहीं हुई, जितनी उम्मीद की जा रही थी। पाकिस्तान की रिफाइनरियों को रूसी तेल प्रोसेस करने में दिक्कत आई, क्योंकि इससे पेट्रोल और डीजल कम निकलता था और फर्नेस ऑयल ज्यादा बनता था। इसके अलावा रूस से तेल लाने में दूरी ज्यादा होने के कारण शिपिंग खर्च भी बढ़ गया। पाकिस्तान के पोर्ट बड़े जहाजों को सीधे हैंडल नहीं कर पाते, इसलिए तेल को बीच में छोटे जहाजों में ट्रांसफर करना पड़ता था, जिससे लागत और बढ़ जाती थी। साथ ही पाकिस्तान को भुगतान चीनी मुद्रा युआन में करना पड़ा, जबकि उसके पास विदेशी मुद्रा की कमी पहले से ही थी। इन सारी दिक्कतों की वजह से पाकिस्तान ने कुछ समय बाद यह तेल खरीदना बंद कर दिया था। हालांकि अधिकारियों का कहना था कि यह सिर्फ ट्रायल था और अगर भविष्य में रूस और ज्यादा छूट देता है, तो पाकिस्तान फिर से इस ऑप्शन पर विचार कर सकता है।अमेरिका ने 13 मार्च को दुनिया भर के देशों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट दे दी है। यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि ईरान जंग की वजह से दुनिया में ऑयल सप्लाई पर असर पड़ रहा है। इस छूट के तहत देश सीमित मात्रा में रूसी तेल खरीद सकेंगे। अमेरिका का कहना है कि इससे बाजार में ऑयल सप्लाई बढ़ेगी और कीमतों को कंट्रोल रखने में मदद मिलेगी। जंग की वजह से कच्चे तेल की कीमत भी 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है, जो अगस्त 2022 के बाद पहली बार हुआ है। युद्ध की वजह से ग्लोबल ऑयल मार्केट में चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यह इजाजत सिर्फ उस रूसी तेल के लिए है जो पहले से जहाजों में लोड होकर समुद्र में फंसा हुआ है। इसका मकसद बाजार में सप्लाई बढ़ाना है।ईरान जंग के बाद भी होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का आना-जाना पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। न्यूज एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, जंग शुरू होने के बाद से अब तक करीब 90 जहाज इस रास्ते से गुजर चुके हैं, जिनमें तेल ले जाने वाले टैंकर भी शामिल हैं। न्यूज एजेंसी एपी ने बताया कि कई जहाज चुपचाप बिना जानकारी दिए इस रास्ते से गुजर रहे हैं, ताकि वे पश्चिमी देशों के नियमों और रोक से बच सकें। हाल में भारत और पाकिस्तान से जुड़े कुछ जहाज भी इस रास्ते से निकलने में सफल रहे हैं। इस जंग की वजह से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरे देशों पर दबाव डाला है कि वे मिलकर इस रास्ते को फिर से पूरी तरह खोलें, ताकि तेल सस्ता हो सके। होर्मुज दुनिया का बहुत अहम रास्ता है, जहां से करीब 20फीसदी तेल सप्लाई होती है। जंग के बाद ज्यादातर जहाजों की आवाजाही कम हो गई थी और कई जहाजों पर हमले भी हुए हैं। फिर भी ईरान ने मार्च से अब तक 1.6 करोड़ बैरल से ज्यादा तेल बेच दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन, ईरान का सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मुश्किल हालात के बावजूद ईरान अपना तेल बेचने में कामयाब रहा है।यूएन की समुद्री संस्था इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन खाड़ी इलाके के हालात पर जल्द इमरजेंसी बैठक करने वाली है। यह बैठक इसलिए बुलाई गई है क्योंकि जंग की वजह से जहाजों और वहां काम करने वाले लोगों की सुरक्षा खतरे में है। इस बैठक में कई देश हिस्सा लेंगे और बड़े फैसले हो सकते हैं। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और खाड़ी के देश चाहते हैं कि ईरान के हमलों और होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की कोशिश की निंदा की जाए। वहीं जापान, पनामा, सिंगापुर और यूएई जैसे देश चाहते हैं कि फंसे हुए जहाजों और नाविकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए एक सही प्लान बनाया जाए। दूसरी तरफ ईरान का कहना है कि इन हालात के लिए अमेरिका और इजराइल जिम्मेदार हैं। ईरान के मुताबिक, समुद्र में जो भी खतरा बढ़ा है, वह इन्हीं देशों की वजह से हुआ है।

भारत की म्यांमार सीमा पर ये कैसी साजिश? पहले विदेशी एजेंट, अब अचानक मौत देने वाली साइको ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी

नयी दिल्ली। भारत-म्यांमार सीमा पर एंटी नॉरकोटिक्स

डिपार्टमेंट ने एक बड़े ऑपरेशन में 23.72 करोड़ रुपये की 7.907 किलो की मेथाएंफीटामाइन टैबलेट जब्त की हैं। यह ऑपरेशन सीमा के पास मिजोरम के चंफाई जिले में हुआ है। ऑपरेशन में असम रायफल्स और चंफाई पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। यह ड्रग्स भारत में पूरी तरह से बैन है। यह साइको ड्रग्स है, जो सीधे दिमाग के सेंट्रल नर्वस सिस्टम को झकझोर कर रख देती है। आईएनएस की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेथाएंफीटामाइन टैबलेट की ये खेप एक लावारिस वाहन में मिली, जो हमुनहमेल्था रोड पर खड़ी थी। वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। वाहन और ड्रग्स दोनों को ही एक्साइज और नॉर्कोटिक्स डिपार्टमेंट को आगे की जांच के लिए सौंप दी गई है। हाल ही में मिजोरम के रास्ते म्यांमार में घुसे वहां के आतंकियों को ड्रोन की ट्रेनिंग देने आए 6 यूक्रेनी नागरिकों और 1 अमेरिकी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पकड़ा था, जिनसे पूछताछ में देश के खिलाफ साजिश रचने का खुलासा हुआ था। क्लीवलैंड क्लीनिक पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, मेथाएंफीटामाइन को शॉर्ट फॉर्म में मेथ भी कहते हैं। इसका इस्तेमाल अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर में किया जाता है। दवा के रूप में इसका इस्तेमाल फोकस बनाए रखने और इंपल्सिव बर्ताव को कमतर करने में किया जाता है। यह एक तरह का स्टीमुलेंट है, जो शरीर के सेंट्रल नर्वस सिस्टम की स्पीड बढ़ा देती है। यह डोपामाइन लेवल को भी बढ़ा देती है, जो एक ब्रेन केमिकल होता है और चलने-फिरने में अहम भूमिका निभाता है। डोपामाइन दिमाग को ऐसे सिग्नल भेजता है, जो आपको खुश महसूस कराने वाले बर्ताव को आपसे बार-बार कराता है।वेबएमडी पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, गैरकानूनी दुनिया में मेथाएंफीटामाइन को आम बोलचाल में स्पीड, क्रिस्टल, क्रैंक, टीना, ग्लास, चाक, गोफास्ट या आइस भी कहा जाता है। क्रिस्टल रूप में यह ड्रग्स ग्लास के टुकड़े जैसी दिखती है, इसीलिए इसका एक नाम ग्लास भी है। गैरकानूनी रूप से बेची जाने वाली यह टैबलेट याबा या शाबू नाम से भी जानी जाती है। भारत में इसे आमतौर पर आइस या मेथ कहा जाता है।रिपोर्ट के अनुसार, मेथाएंफीटामाइन मानव निर्मित उत्प्रेरक दवा है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान मोर्चे पर मुस्तैद रहने और जागने के लिए सैनिक इस ड्रग्स को लिया करते थे। इसका इस्तेमाल वजन घटाने, डिप्रेशन कम करने और एडीएचडी को मैनेज करने के लिए भी लेते थे। अमेरिका-भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में इस ड्रग्स की खरीद-बिक्री गैरकानूनी है।मेथाएंफीटामाइन टैबलेट्स का इस्तेमाल अमेरिका में भी बैन है। मगर, मेथाएंफीटामाइन हाइड्रोक्लोराइड (Desoxyn) को ही कानूनी मान्यता है, जिसका इस्तेमाल एडीएचडी में किया जाता है। हालांकि, डॉक्टर Desoxyn को भी देने से बचते हैं। मेथाएंफीटामाइन के इस्तेमाल से अचानक स्ट्रोक, हार्ट अटैक या धड़कनें बेकाबू या सांस लेने में तकलीफ बढ़ सकती है। इससे अचानक मौत भी हो सकती है।

पश्चिम एशिया संकट पर बोले शशि थरूर,कांग्रेस की सरकार होती तो यही सलाह देते-संयम सरेंडर नहीं, शक्ति है

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर पश्चिम एशिया संकट

पर अपनी पार्टी के उलट पूरी तरह से मोदी सरकार के स्टैंड के साथ खड़े हैं। उन्होंने पहले मीडिया के सामने बार-बार दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध को लेकर जो रुख अपना रही है, उसी में देश का हित है। अब उन्होंने कहा है कि अगर कांग्रेस की सरकार होती तो भी उनका स्टैंड यही होता। अपनी बातों के समर्थन के लिए केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक अखबार के लिए पूरा आर्टिकल भी लिखा है, जिसमें मोदी सरकार की आलोचना करने वाले लिबरल्स की जमकर खिंचाई भी की है। अब उन्होंने बताया है कि अगर कांग्रेस की सरकार भी होती तो वे यही कहते कि 'संयम में भी शक्ति' है।न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में शशि थरूर ने बताया है कि पश्चिम एशिया संकट पर उनके रुख और उनकी पार्टी के रुख में क्या अंतर है। कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता सोनिया गांधी की ओर से इस मामले में सरकार की ओर से चुप्पी पर सवाल खड़े करने पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा-सोनिया गांधी और विपक्ष ने जो कुछ कहा है, उसका मैं पूरी तरह से सराहना करता हूं..क्योंकि हम विपक्ष में हैं और हमारे लिए मोरल स्टैंड लेने की गुंजाइश है। आर्टिकल मुख्य तौर पर इसपर है कि सरकार को क्या करना चाहिए?' शशि थरूर, कांग्रेस सांसद-'सच कहूं तो अगर मैं कांग्रेस सरकार को सलाह दे रहा होता, तो मेरी सलाह यही होती कि इस समय संयम से काम लें। संयम सरेंडर नहीं है, यह एक शक्ति है... यह दिखाने का तरीका कि हम जानते हैं कि हमारा हित किस में है और पहले और हमेशा उसी की रक्षा के लिए काम करेंगे...।' दरअसल, गुरुवार को एक अखबार के लिए लिखे गए आर्टिकल में शशि थरूर ने पश्चिम एशिया संकट पर मोदी सरकार के स्टैंड की आलोचना करने वाले लिबरल्स को न सिर्फ लताड़ लगाई है, बल्कि स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत ने पश्चिम एशिया पर जो चुप्पी वाली रणनीति अपनाई है, वह सरेंडर नहीं है, वह एक तरह से जिम्मेदारी के साथ निभाई जा रही कूटनीति है।

'मुझे कंट्रोल मत करो',प्रियंका चतुर्वेदी जाते-जाते जया बच्चन का यूं दे गई जवाब

नयी दिल्ली। राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे 59 सदस्यों को 18 मार्च को विदाई दी गई है, जिनमें शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी भी शामिल थीं। प्रियंका ने अपने विदाई भाषण में अपने 6 वर्षों के कार्यकाल को गर्वपूर्ण बताया। इस दौरान उन्होंने जया बच्चन के प्रियंका 'मुझे कंट्रोल मत करो' वाले बयान का जिक्र किया। जिस पर सदन में जमकर ठहाके लगे। बुधवार को राज्यसभा में अपने विदाई भाषण में शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, राज्यसभा एक ओपन यूनिवर्सिटी है, जहां पर सहयोगियों और वरिष्ठ नेताओं से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा, कि उनका संसदीय सफर अभी खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह सिर्फ एक विराम है, मैं फिर वापस आऊंगी। विदाई भाषण के दौरान प्रियंका चतुर्वेदी ने जया बच्चन का जुलाई 2025 के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा, 'मेरी दोस्त जया जी मैं आपको कंट्रोल करने की हिम्मत नहीं कर सकती।

दोस्त रूस ने दी टिप तब पकड़ में आए अमेरिकी-यूक्रेनी एजेंट,भारत के खिलाफ साजिश का था खतरनाक प्लान?

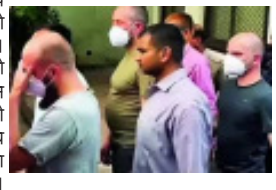

नयी दिल्ली। मिजोरम में अवैध रूस से घुसने और गैर कानूनी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि रूस से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर इन लोगों को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने म्यांमार में जातीय सशस्त्र गुटों को कथित तौर पर ट्रेनिंग देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। हिंदुस्तान टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि भारतीय एजेंसियां अब उन लोगों की शिनाख्त करने में जुटी हुई हैं, जिन्होंने अमेरिकी नागरिक मैथ्यू एरॉन वैनडाइक और यूक्रेनी नागरिकों को मिजोरम तक पहुंचने और वहां से म्यांमार में एंट्री करने में मदद की। अफसरों ने बताया कि इस ग्रुप पर 2024 से म्यांमार आने-जाने का शक है; आरोप है कि ये लोग ड्रोन और जैमिंग इक्विपमेंट की सप्लाई कर

रहे थे और वहां के जातीय समूहों को ट्रेनिंग दे रहे थे। जांच अधिकारी-'एनआईए की टीमें संदिग्धों का पता लगाने के लिए पिछले करीब तीन महीनों से पूर्वोत्तर में काम कर रही थीं। इन सातों लोगों को 13 मार्च को दिल्ली, लखनऊ और कोलकाता के एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था।' सोमवार को, दिल्ली की एक अदालत ने इन सातों लोगों वैनडाइक, मैक्सिम होनचारुक, पेट्रो हुबरा, सुकमानोव्स्की इवान, स्टेफानकिव मारियन, स्लीवियाक तारास और कामिंस्की विक्टर को 27 मार्च तक एनआईए की हिरासत में भेज दिया। चूंकि हिरासत में लिए गए छह यूक्रेनी नागरिक कथित तौर पर 14 लोगों के उस ग्रुप का हिस्सा थे, जो म्यांमार गया था, इसलिए अधिकारी फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बाकी आठ लोग अभी भी म्यांमार में हैं या भारत के रास्ते वहां से निकल चुके हैं।हालांकि एनआईए के एक प्रवक्ता ने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया और एक बयान में कहा: 'चूंकि मामला अभी जांच के शुरुआती चरण में है, इसलिए हम इस समय आपके साथ कोई जानकारी साझा नहीं कर पाएंगे।

अमेरिका ने डुबोया ईरान का युद्धपोत, मौका देख पाक लगा हाथ सेंकने, भारत को बदनाम करने का चलाया अभियान

नयी दिल्ली। ईरान-अमेरिका जंग में भी पाकिस्तान भारत के खिलाफ अपने पैंतरे चलने की अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। पाकिस्तान ने श्रीलंका के तट के समीप ईरान के युद्धपोत के डुबोये जाने की घटना को भारत के खिलाफ प्रचारित करने की कोशिश की। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के सोशल मीडिया नेटवर्क ने समन्वित दुष्प्रचार अभियान के जरिये अमेरिका-ईरान जंग का फायदा उठाकर भारत की कूटनीतिक स्थिति को निशाना बनाने की कोशिश की।असल में, श्रीलंका के तट के पास ईरानी नौसेना के फ्रिगेट 'देना' अर्ह को अमेरिकी पनडुब्बी टॉरपीडो ने डुबो दिया। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस हमले को इस बात के प्रमाण के रूप में बताया कि ईरानी जहाज अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भी सुरक्षित नहीं हैं; जारी किए गए पेरिस्कोप फुटेज में हमले का प्रभाव साफ देखा जा सकता है। ईरानी युद्धपोत को आत्मसमर्पण करने का कोई अवसर नहीं मिला, और इस बात पर बहस जारी है कि क्या कोई चेतावनी जारी की गई थी; हालांकि, नौसैनिक युद्ध कानून के तहत, आत्मसमर्पण के स्पष्ट संकेत न मिलने पर दुश्मन के युद्धपोतों पर बिना किसी पूर्व चेतावनी के हमला करने की अनुमति होती है।जहाज के डूबने के तुरंत बाद, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक ऐसे नैरेटिव तेजी से फैलने लगे जिसमें भारत पर अमेरिका के साथ संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप लगाया गया था। हिंदुस्तान टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि घटना के लगभग तुरंत बाद, सोशल मीडिया पर #IndiaBetraysIran हैशटैग के तहत एक समन्वित दुष्प्रचार अभियान सामने आया, जिसमें झूठा आरोप लगाया गया कि भारत ने फ्रिगेट के निर्देशांक (coordinates) या स्थान संबंधी डेटा अमेरिका को लीक कर दिया था, जिससे यह हमला संभव हो पाया।भारतीय OSINT समूहों और थ्रेट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म द्वारा किए गए एनालिसिस से पता चला कि इस अभियान की शुरुआत 4 मार्च को @TacticalTribun नाम के एक अकाउंट द्वारा की गई एक पोस्ट से हुई थी; इस अकाउंट का

यूजरनेम बार-बार बदलने का इतिहास रहा है, जो किसी दुर्भावनापूर्ण इरादे की ओर संकेत करता है।यह नैरेटिव खास अकाउंट्स द्वारा किए गए 'मैन्युअल एम्प्लीफिकेशन' के माध्यम से तेजी से फैला; इनमें से लगभग 40% अकाउंट्स पाकिस्तान-स्थित यूजर्स और नेटवर्कों से जुड़े थे, जिसके बाद ईरान-समर्थक, मध्य-पूर्वी, अफ्रीकी और दक्षिण-पूर्वी एशियाई समूहों का योगदान रहा। खुफिया विभाग के अफसरों ने यह भी बताया कि इस अभियान में समन्वित 'हाइब्रिड सूचना युद्ध' (hybrid information warfare) के स्पष्ट लक्षण दिखाई दिए, जिसमें रियल यूजर्स जुड़ाव को सुनियोजित प्रचार तकनीकों के साथ मिलाया गया था।100 से अधिक पहचाने गए अकाउंट्स से की गई 500 से अधिक पोस्ट्स की कुल अनुमानित पहुंच 50,000 से 100,000 व्यूज तक रही। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इनमें से कुछ व्यक्तिगत पोस्ट्स ने वायरल होते हुए 900,000 से अधिक इंप्रेशन्स की व्यापक पहुंच हासिल की।शुरुआती पोस्ट को 3-6 घंटों के भीतर तेज़ी से कॉपी किया गया, जिसके बाद 80 से ज़्यादा अकाउंट्स के ज़रिए कोट ट्वीट्स, जवाबों और हैशटैग के ज़रिए इसका और प्रचार किया गया। खास बात यह है कि ज़्यादा एंगेजमेंट वाले विज़ुअल कंटेंट–जैसे कि ईरानी झंडों के साथ 'देना' अर्ह की तस्वीरें और नौसेना के ऐसे फुटेज जिनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं था–ने टेक्स्ट-आधारित पोस्ट की तुलना में कहीं ज़्यादा अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे पता चलता है कि इसमें जानबूझकर भावनाओं से खेलने की तरकीबें अपनाई गई थीं। पड़ताल से पता चला कि अलग-अलग तरह के अकाउंट्स के ज़रिए कई स्तरों पर पोस्ट किए गए जिससे यह संकेत मिलता है कि इस अभियान के पीछे एक सुनियोजित तालमेल था।

धुरंधर 2 ने तोड़ा शाहरुख की जवान का रिकॉर्ड,पहले दिन रु97 करोड़ कमाए, पेड प्रीव्यू सहित कुल कलेक्शन रु144 करोड़ पहुंचा

मुंबई। रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' यानी 'धुरंधर 2' ने 'जवान' का

रिकॉर्ड तोड़ते हुए पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। ट्रेड एनालिस्ट के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन 97 करोड़ रुपए से अधिक का बिजनेस किया। इससे पहले 2023 में आई 'जवान' ने पहले दिन 75 करोड़ रुपए कमाए थे। 'धुरंधर 2' ने पेड प्रीव्यू में 47 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। पेड प्रीव्यू और ओपनिंग डे को मिलाकर फिल्म की कुल कमाई 144 करोड़ रुपए पहुंच गई। ट्रेड पोर्टल सैकनिल्क के अनुसार, पहले वीकेंड के लिए 200 करोड़ रुपए की एडवांस बुकिंग दर्ज की गई है। आम तौर पर 40-50फीसदी सीटें एडवांस बुक होती हैं। ऐसे में अनुमान है कि गुरुवार से रविवार तक फिल्म का बिजनेस 500 करोड़ रुपए के पार जा सकता है।'धुरंधरः द रिवेंज' की अवधि 3 घंटे 49 मिनट है, जो इसे 21वीं सदी की दूसरी सबसे लंबी बॉलीवुड फिल्म बनाती है। इससे पहले 2003 में आई जेपी दत्ता की 'एलओसी कारगिल' 4 घंटे 15 मिनट के साथ सबसे लंबी फिल्म है। फिल्म का इंटरनेशनल वर्जन 3 घंटे 55 मिनट का है। बता दें कि धुरंधर 2 में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर माधवन हैं। फिल्म को आदित्य धर ने लिखा, डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है। इसके साथ ही ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। फिल्म को जियो स्टूडियोज ने प्रेजेंट किया है और यह बी62 स्टूडियोज के बैनर तले बनी हैं। धुरंधर को शानदार रिस्पॉन्स मिला था- गौरतलब है कि फिल्म धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया था। फिल्म ने दुनिया भर में करीब रु1,303 करोड़ की कमाई की। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन रु1,005.85 करोड़ रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग रु836.95 करोड़ हुआ। इसके साथ ही यह भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी सिंगल-लैंग्वेज फिल्म बन गई।

विदेशी बाजारों में भी फिल्म धुरंधर को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब रु299.5 करोड़ का कारोबार किया। खासतौर पर अमेरिका और कनाडा में फिल्म ने रु193.06 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर 'बाहुबली 2' का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया। दिलचस्प बात यह है कि यह बड़ी सफलता फिल्म को तब मिली, जब इसे खाड़ी देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिली थी। इसके अलावा 'धुरंधर' भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 'ए' रेटेड फिल्म भी बन गई।

अंजलि की कमर छूने का मामला महिला आयोग पहुंचा

हरियाणवी एक्ट्रेस बोलीं- पवन सिंह की टीम ने बदनाम किया,सीता का रोल छिना

सोनीपत। हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव की स्टेज पर भोजपुरी सिंगर-एक्टर द्वारा कमर छूने का मामला फिर तूल पकड़ गया है। अंजलि ने हरियाणा महिला आयोग को शिकायत भेजी है। ई-मेल के जरिये इस मामले से जुड़े सबूत भी

आयोग को भेजे हैं। असल में रैपर सिंगर बादशाह के मामले में महिला आयोग के सख्त रवैये के बाद अंजलि ने शिकायत करने की हिम्मत जुटाई। अंजलि ने कहा कि उस दिन लखनऊ में पहले मंच पर पवन सिंह ने गलत तरीके से कमर छुई। यह अनुचित व्यवहार था। यही नहीं बाद में बदनाम करने के लिए सुनियोजित तरीके से सोशल मीडिया और मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। अंजलि ने आयोग से आग्रह किया है कि उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर किए गए आपत्तिजनक कमेंट हटवाए जाएं। एक्ट्रेस का कहना है कि इसी वजह से उनका दिल्ली रामलीला में सीता का रोल छिन गया। जानिएष्ठआयोग को भेजी शिकायत में क्या अहम बातें-सोशल मीडिया से अपमानजक पोस्ट हटवा,अंजलि राघव ने हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष को ई-मेल के जरिए भेजी शिकायत में कहा- सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ चल रहे अपमानजनक पोस्ट और झूठे प्रचार को तुरंत हटवाने के निर्देश दिए जाएं। सीता का किरदार छिन गया-शिकायत में आगे लिखा- मैं 16 वर्ष की आयु से विभिन्न रामलीलाओं में माता सीता का किरदार निभाती थी। इसी के जरिए पहचान बनाई। इस विवाद के बाद दिल्ली की रामलीला में मेरा यह किरदार छीन लिया गया। लखनऊ कार्यक्रम में हुआ विवाद-कुछ माह पहले मैं अपने एक गाने के प्रमोशन के लिए लखनऊ गई थी। वहां भोजपुरी गायक पवन सिंह ने मंच पर मेरी अनुमति के बिना मुझे छुआ, जिसका वीडियो भी उनकी टीम ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इंस्टाग्राम पर उठाई आवाज, मिली माफी-

अंजलि ने बताया- मैंने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए इस घटना की जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से सार्वजनिक की। इसके बाद पवन सिंह ने सोशल मीडिया पर मुझसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उस समय लगा मामला शांत हो गया। पीआर टीम ने लगातार धमकियां दी-पवन सिंह की पीआर टीम ने मुझे लगातार धमकियां दीं। कहा गया कि मेरी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाएंगे और बदनाम किया जाएगा। मेरे खिलाफ कई फर्जी और आपत्तिजनक पोस्ट किए गए। कुछ क्षेत्रीय मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए मेरे बारे में झूठी कहानियां और अफवाहें भी फैलाई गईं। मानसिक तनाव और सामाजिक बहिष्कार का दावा- इन घटनाओं के कारण मुझे मानसिक पीड़ा और सामाजिक अपमान का सामना करना पड़ा। इसका असर मेरे काम पर भी पड़ा। मैं दिल्ली रामलीला में पिछले लंबे समय से माता सीता का किरदार निभाती आ रही थी। मुझसे वो किरदार छीन लिया गया। जो मेरी दिवंगत माता की अंतिम इच्छा से जुड़ा था। कुछ लोगों ने मेरा और परिवार का बहिष्कार किया, जिससे अवसाद की स्थिति में पहुंच गईं। साइबर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की

शिकायत में आगे लिखा- मैंने संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट्स और मीडिया प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ साइबर पुलिस दिल्ली में शिकायत दी, लेकिन अभी तक आपत्तिजनक सामग्री हटाई नहीं गई है। आयोग आपत्तिजनक पोस्ट और झूठे इंटरव्यू तुरंत हटवाए। साथ ही संबंधित लोगों से सार्वजनिक माफी दिलवाई जाए। कमर छूने से ट्रोलिंग तक की पूरी कहानी- 29 अगस्त 2025 की शामः लखनऊ के एक म्यूजिक शो में अंजलि राघव और पवन सिंह की स्टेज परफॉर्मेंस थी। इसी परफॉर्मेंस के दौरान पवन सिंह ने अंजलि की कमर पर हाथ फेरा, जो कैमरे में कैद हो गया। 30 अगस्त सुबहः सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ। अंजलि ने पहली बार प्रतिक्रिया दी और इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए बताया कि वह मानसिक रूप से बहुत परेशान हैं। उन्होंने कहा कि यह हरकत अनएक्सपेक्टेड थी। शुरुआत में 'टैग' समझा, इसलिए स्टेज पर कुछ नहीं बोला। उन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री छोड़ने की घोषणा कर दी। 30 अगस्त शामः अंजलि की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग शुरू हुई। पुराने गानों की क्लिप काटकर लगाई गई। इसमें उन्हें पोर्न स्टार तक लिखा गया। 31 अगस्त सुबहः पवन सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरी के माध्यम से सार्वजनिक माफी मांगी। लिखा- 'मेरा इरादा गलत नहीं था, अगर अंजलि जी को बुरा लगा तो मैं क्षमा मांगता हूं। हम कलाकार हैं और एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।' 31 अगस्त दोपहरः अंजलि ने उस माफी को शेयर करते हुए लिखा- 'हां, इन्होंने गलती मानी है और मैंने माफ किया।' इसके बाद अंजलि पर पवन सिंह की प्यार टीम द्वारा स्टोरी एडिट करने का दबाव डाला गया। कहा गया कि 'गलती मानी' की जगह सिर्फ 'थैंक यू' लिखें। 1 व 2 सितंबरः दो दिन में ही 20 से ज्यादा इंस्टाग्राम आईडी से हर एक-दो घंटे बाद मीम्स, वीडियो व स्टोरी शेयर हुईं। जिनमें अंजलि के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां हुईं। 3 सितंबरः अंजलि दिल्ली पुलिस के पास पहुंची। अपने साथ हो रहे घटनाक्रम के बारे में बताया। साथ ही साइबर सेल को 20 से ज्यादा इंस्टा आईडी शेयर की।

कहानी महेश भट्ट की,खाते समय मां ने कसा तंज, भूखे पेट नौकरी की तलाश में निकले

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर महेश भट्ट आशिकी, सारांश और सड़क जैसी हिट फिल्में देने वाले भट्ट का निजी जीवन भी हमेशा चर्चा में रहा। एक न्यूज़ पोर्टल के बातचीत में

उन्होंने बचपन की मुश्किलों, करियर की शुरुआत और आज की सोच पर खुलकर बात की। बचपन की यादें और फिल्मों में आने की प्रेरणा के बारे में बात करते हुए महेश भट्ट ने कहा- बचपन की जो सबसे बड़ी याद है, वह मेरी मां का अकेलापन है। फिल्मों में आने की प्रेरणा की बात करूं तो जब इंसान अकेला होता है, तो वह खुद से बातें करने लगता है। मैं भी तन्हाई में अपने मन से कहानियां सुनाता था। असल में कला का जन्म तन्हा जहन में ही होता है। बचपन से ही हर तरह का सिनेमा देखता आया हूं। 8-9 साल की उम्र में जब गुरु दत्त साहब की फिल्म 'प्यासा' देखी। ऐसा लगा कि मैं गुरु दत्त की रूह को जानता हूं। आसिफ साहब की 'मुगल-ए-आजम' देखी, तो लगा कि अदा और हिम्मत हो तो वैसी हो। 'मदर इंडिया' देखने के बाद यह महसूस हुआ कि इससे बड़ी फिल्म भारत में नहीं बनी है। बचपन में ही इन फिल्मों का असर मेरे खून में घुल गया, जिसकी गूंज आज तक मेरे काम में सुनाई देती है. महेश भट्ट के पिता नानाभाई भट्ट उनके साथ कभी नहीं रहे। उनके मां-बाप की शादी नहीं हुई थी। दरअसल, महेश भट्ट के पिता पहले से ही शादीशुदा थे। इसलिए उन्होंने कभी महेश भट्ट की मां को पत्नी का दर्जा नहीं दिया। इस वजह से महेश भट्ट को भी बहुत कुछ झेलना पड़ा। लोग उन्हें नाजायज औलाद कहकर बुलाते थे। महेश भट्ट ने ई टाइम्स को बताया था कि उनके पिता का एक अलग परिवार था। वह घर आते थे, तो कभी जूते नहीं उतारते थे, क्योंकि वह उनके साथ कभी ठहरते नहीं थे। लेकिन फिर भी उनके मां-बाप के बीच प्यार बहुत था। पिता बेटे महेश भट्ट और उनकी मां की सिर्फ आर्थिक रूप और अन्य चीजों के जरिए मदद करते थे। महेश भट्ट भी गुजारे के लिए स्कूल के दिनों में छोटे-मोटे काम करके पैसे कमाते थे।

यहां तक कि उन्होंने कुछ प्रोडक्ट्स के विज्ञापन भी बनाए थे। महेश भट्ट ने बताया कि उनकी मां 15 साल की उम्र में नौकरी करने को क्यों कहा था? महेश भट्ट बताते हैं- मां ने एक दिन साफ-साफ कह दिया–बेटा, तुझे खाते हुए अच्छा नहीं लगता, तेरी बहनें काम करती हैं और तू यहां खाना खा रहा है। उस समय खाना छोड़कर हाफ पैंट में निकल गया। मां ने रोका नहीं। एक दोस्त के पास पहुंचा और कहा कि कोई भी नौकरी दिलवा दे। ऐसे मैं 15 साल की उम्र से काम कर रहा हूं। आज 77 साल का हो गया हूं। महेश भट्ट ने करियर की शुरुआत राज खोसला के असिस्टेंट के तौर पर की। राज खोसला से मुलाकात का किस्सा शेयर करते हुए महेश भट्ट ने बताया कि कैसे उनकी सोच का उनके करियर पर असर पड़ा है? महेश भट्ट कहते हैं- 19 साल का था जब राज खोसला साहब से मिला। उनके कमरे में गुरु दत्त की तस्वीर लगी थी। उन्होंने मुझसे पूछा कि फिल्म मेकिंग के बारे में क्या कुछ जानते हो? मैंने साफ कहा कि जी, नहीं। इस पर उन्होंने हंसकर कहा–बहुत अच्छा, शून्य से शुरू करना सबसे बड़ी बात है। उनकी यह बात मेरी जिंदगी में आज तक बनी हुई है। महेश भट्ट ने इंडस्ट्री में एक से बढ़कर एक टैलेंट को लॉन्च किया है। महेश भट्ट से जब पूछा गया कि जब किसी नए कलाकार को मौका दिया, तो उनका टैलेंट कैसे पहचानते हैं? महेश भट्ट ने कहा- हम एक लाइट हाउस की तरह हैं। समुद्र में जो जहाज भटकते हैं, उन्हें लाइट हाउस रास्ता दिखाता है। मैं जाकर किसी को पकड़ता नहीं हूं, लेकिन जिसे मेरी रोशनी दिखती है, वह खुद आ जाता है। असल में, मेरे अंदर से लोग अपना ही स्वाद पहचानते हैं। मैं किसी को कुछ नया नहीं देता, बस उनके भीतर का बीज बचाता हूं। जैसे माली बीज बोता नहीं, बल्कि उसकी रक्षा करता है। इंसान अपने आप में संपूर्ण है, बस उसे याद दिलाने की जरूरत होती है कि उसमें ताकत पहले से मौजूद है- लोगों को पहचाना और ऊंचाई तक पहुंचने में मदद करना है अपने जन्मदिन की सबसे खूबसूरत याद और 77 साल की उम्र में अपने सबसे बड़े लक्ष्य के बारे में बात करते हुए महेश भट्ट कहते हैं- अब जो भी आएगा, वही सबसे खूबसूरत जन्मदिन की याद होगा। अब मेरा लक्ष्य नए लोगों को पहचानना और उन्हें उनकी ऊंचाई तक पहुंचने में मदद करना है। जैसे बगीचा तभी खूबसूरत बनता है जब उसमें अलग-अलग फूल खिलते हैं। महेश भट्ट अकेले ऐसे फिल्ममेकर हैं, जिन्होंने हर तरह की फिल्में बनाईं। फिल्मों के लिए जितना चर्चाओं में रहे, उतना ही विवादों के कारण सुर्खियों में छाए। ये एकमात्र डायरेक्टर हैं जिन्होंने अपनी ही जिंदगी से प्रेरित 6-7 फिल्में बनाईं। इनमें से 3 एक्ट्रेस परवीन बाबी के साथ उनके संबंधों पर थीं। महेश भट्ट के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'अर्थ' विशेष रूप से परवीन बाबी के साथ उनके रिश्ते से प्रेरित थी। यह फिल्म पति और पत्नी के रिश्ते की जटिलताओं और मानसिक स्वास्थ्य के संवेदनशील विषयों को दर्शाती है, जिसमें फिल्म का मुख्य संदेश यह है कि कुछ विवाहों को लंबे समय तक चलने की आवश्यकता नहीं होती है।इस फिल्म में शबाना आजमी और स्मिता पाटिल ने दमदार महिला किरदारों की भूमिका निभाई थी, जो अपनी जिंदगी के उतार-चढ़ावों का सामना करती हैं। इस फिल्म के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर हमेशा परेशानी भरे होते हैं और कुछ रिश्तों को समाप्त करना ही बेहतर होता है। इस फिल्म के लिए शबाना आजमी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल और फिल्म फेयर अवॉर्ड मिला था। शादीशुदा होते महेश भट्ट का परवीन बाबी के साथ रिश्ता था। महिला सशक्तिकरण और मानसिक स्वास्थ्य के विषयों को उठाती थी, जो उस दौर में एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को लेकर समाज के रूढ़िवादी विचारों के विपरीत थी। 'डैडी' महेश भट्ट के जीवन के अनुभव पर आधारित- फिल्म 'डैडी' महेश भट्ट के निजी अनुभवों पर आधारित थी, जिसमें उनकी बेटी पूजा भट्ट ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बाप और बेटी के रिश्ते

की जटिलताओं को दर्शाती है, जिसमें पिता का शराब से संघर्ष और बेटी का उसे रोकने का प्रयास शामिल था। फिल्म के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की गई थी कि रिश्ते की जटिलताओं और संवेदनशीलता को आने वाली पीढ़ी के लिए समझना जरूरी है। यह फिल्म दूरदर्शन पर रिलीज हुई थी। पूजा भट्ट के पिता का किरदार अनुपम खेर ने निभाया था। 'आशिकी' महेश भट्ट की पहली पत्नी के साथ उनके प्यार भरे रिश्ते से प्रेरित थी, महेश भट्ट ने एक बार खुलासा किया था कि 'आशिकी' उनके पहले प्यार, उनकी पहली पत्नी किरण भट्ट के साथ उनके वास्तविक जीवन के रिश्ते से प्रेरित थी। महेश भट्ट ने किरण को एक संस्थान में दाखिला दिलाया था, जहां उन्हें टाइपिस्ट और शॉर्टहैंड सिखाया गया था, जो फिल्म का एक मुख्य पहलू है। महेश भट्ट की पहली पत्नी का नाम पहले लॉरेन ब्राइट था। शादी के बाद किरण भट्ट रख लिया। फिल्म में दीपक तिजोरी द्वारा निभाया गया दोस्त का किरदार महेश भट्ट के एक दोस्त की भूमिका से प्रेरित था, जिसने उस समय महेश भट्ट की मदद की थी। 'फिर तेरी कहानी याद आई' लिव-इन रिलेशनशिप के अनुभवों से प्रेरित 'फिर तेरी कहानी याद आई' परवीन बाबी के साथ महेश भट्ट के लिव-इन रिलेशनशिप के अनुभवों से प्रेरित थी। इस फिल्म में परवीन बाबी के मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों और ब्रेकअप के भावनात्मक पहलुओं को दर्शाया गया है। इस फिल्म में पूजा भट्ट और राहुल रॉय की लीड भूमिका थी। पूजा भट्ट ने परवीन बाबी और राहुल रॉय ने महेश भट्ट से प्रेरित किरदार निभाया था। यह फिल्म महेश भट्ट के लिए अपनी भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करने का एक तरीका थी.महेश भट्ट की मां के जीवन से प्रेरित थी 'जख्म'- फिल्म 'जख्म' महेश भट्ट के जीवन की सबसे निजी फिल्मों में से एक थी। यह फिल्म उनके पिता नानाभाई भट्ट और मां शिरीन मोहम्मद अली के रिश्ते को भी दर्शाती है, जिसमें मां मुस्लिम और पिता हिंदू थे। फिल्म में एक धर्मनिरपेक्ष महिला की कहानी को दिखाया गया है, जो एक हिंदू से प्यार करती है और अपने बच्चों के पालन-पोषण के लिए संघर्ष करती है। इस फिल्म में पूजा भट्ट ने महेश भट्ट की मां शिरीन मोहम्मद अली का किरदार निभाया था। इस फिल्म को राष्ट्रीय एकता पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का नरगिस दत्त पुरस्कार मिला। इस फिल्म के लिए अजय देवगन को पहली बार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। परवीन बाबी के जीवन से प्रेरित एक और फिल्म-परवीन बाबी और महेश भट्ट के साथ रिश्ते से प्रेरित एक और फिल्म 'वो लम्हे' बनी। यह फिल्म परवीन बाबी को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाई गई थी। यह फिल्म परवीन बाबी के जीवन, उनके सिजोफ्रेनिया के संघर्ष, और महेश भट्ट के साथ रिश्ते से प्रेरित थी। इस फिल्म में कंगना रनौत ने सिजोफ्रेनिया से पीड़ित अभिनेत्री का किरदार निभाया था। फिल्मों के माध्यम से अपने जीवन की सच्चाई सामने लाए- फिल्म 'हमारी अधूरी कहानी' महेश भट्ट के पिता नानाभाई भट्ट, मां शिरीन मोहम्मद अली और उनकी सौतेली मां हेमलता भट्ट की प्रेम कहानी से प्रेरित थी। इस फिल्म को महेश भट्ट ने प्रोड्यूस किया था जबकि फिल्म के डायरेक्टर मोहित सूरी थे। इस फिल्म में विद्या बालन, इमरान हाशमी और राजकुमार राव की लीड भूमिका थी। महेश भट्ट ने कई मौकों पर कहा है कि उनका अधिकांश काम उनके व्यक्तिगत जीवन से ही प्रेरित रहा है।वह अपनी फिल्मों के माध्यम से अपने जीवन की सच्चाइयों को सामने लाना चाहते हैं।

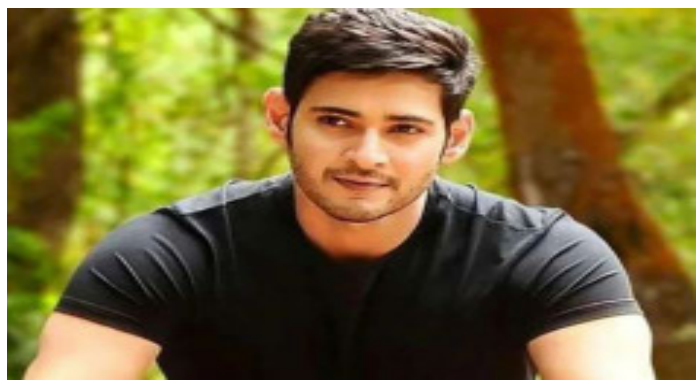

महेश बाबू ने धुरंधर 2 की तारीफ की:बोले-एकदम शानदार तरीके से बनाई गई धमाकेदार फिल्म

मुंबई। साउथ एक्टर महेश बाबू ने फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' की जमकर तारीफ करते हुए इसे शानदार फिल्म बताया। साथ ही आदित्य धर के डायरेक्शन, रणवीर

सिंह और आर माधवन की एक्टिंग और फिल्म के म्यूजिक की सराहना की। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म को लेकर उन्होंने लिखा, 'धुरंधरः द रिवेंज एकदम शानदार तरीके से बनाई गई धमाकेदार फिल्म है! रणवीर का अब तक का सबसे शानदार रूप देखने को मिला है। आदित्य धर ने इसे जिस तरह से सोचा और पेश किया है, वह वाकई काबिल-ए-तारीफ है। आर माधवन की एक्टिंग और शाश्वत सचदेव का म्यूजिक खास तौर पर शानदार है। यह फिल्म देखने और जश्न मनाने लायक है। पूरी टीम को बधाई।'वहीं, आदित्य धर ने महेश बाबू के ट्वीट पर जवाब देते हुए लिखा, 'आपके शब्दों के लिए आभारी हूं, महेश गरु। धुरंधर (द रिवेंज) को इतने प्यार और अपनापन देने के लिए धन्यवाद।'साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन ने भी फिल्म धुरंधर 2 देखने के बाद इसकी तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि यह हर भारतीय को गर्व महसूस कराएगी। उन्होंने रणवीर सिंह और आर माधवन समेत फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की परफॉर्मेंस की भी सराहना की। बुधवार को अल्लू अर्जुन ने ट्वीट करते हुए फिल्म को लेकर लिखा था, 'अभी-अभी धुरंधर 2 देखी-देशभक्ति के साथ जबरदस्त स्वैग है। यह एक ऐसी फिल्म है जो हर देशभक्त को गर्व महसूस कराएगी। कई ऐसे पल हैं, जहां आप तालियां बजाने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। पूरी तरह धमाका! पूरी टीम को बधाई।' उन्होंने आगे लिखा था, 'आर माधवन और सभी कलाकारों का शानदार प्रदर्शन है। टेक्निकल लेवल पर भी फिल्म कमाल की है। मुझे गर्व है कि हमारे देश में मेरे भाई रणवीर सिंह जैसे बेहतरीन और बहुमुखी अभिनेता हैं। रणवीर सिंह फायर हैं। आदित्य धर ने कमाल कर दिया, वे पूरी तरह छा गए। हमारे देश में उनके जैसे शानदार फिल्ममेकर्स होना गर्व की बात है। एक भारतीय कहानीष्ठ इंटरनेशनल स्वैग के साथ! जय हिंद।' वहीं, अल्लू अर्जुन को धन्यवाद देते हुए आर माधवन ने लिखा था, 'मैं बेहद विनम्र, भावुक और बहुत ज्यादा प्रेरित महसूस कर रहा हूं। आपकी तरफ से ये सुनना मेरे लिए बहुत मायने रखता है, मेरे प्यारे भाई।' आगे उन्होंने लिखा था, 'मैंने आपकी सभी फिल्में आपकी काबिलियत के प्रति गहरे सम्मान और हैरानी के साथ देखी हैं और यह जानकर बहुत शानदार महसूस हो रहा है कि यह भावना दोनों तरफ से है। भगवान आपका भला करे। मेरे करियर और जिंदगी के इस अहम मोड़ पर यह पहला ऑनलाइन रिव्यू मेरे लिए बेहद खास है।'बता दें कि धुरंधर 2 में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर माधवन हैं। फिल्म को आदित्य धर ने लिखा, डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है। इसके साथ ही ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। फिल्म को जियो स्टूडियोज ने प्रेजेंट किया है और यह बी62 स्टूडियोज के बैनर तले बनी है।

नोरा फतेही के खिलाफ यूपी में फतवा,शाही मुफ्ती बोले- 'सरके चुनर' गाना अश्लील

अलीगढ़। कन्नड़ फिल्म 'केडीः द डेविल' के विवादित गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। गाने पर डांस करने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही के खिलाफ यूपी के अलीगढ़ से फतवा जारी हुआ है। मुस्लिम पर्सनल दारुल इफ्ता के शाही चीफ मुफ्ती मौलाना चौधरी इफराहीम हुसैन ने गाने और दृश्यों को अश्लील बताया है। उन्होंने कहा- 'समाज में बेहयाई फैलाना न केवल अनैतिक है, बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी दंडनीय है। नोरा फतेही ने मुस्लिम होने के बावजूद ऐसे अश्लील गाने में हिस्सा लिया। उन्होंने गुनाह-ए-कबीरा यानी बड़ा पाप किया है। उन्हें दर्दनाक दंड मिलेगा।' इससे पहले राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक्ट्रेस नोरा फतेही और एक्टर संजय दत्त को नोटिस भेजा है। साथ ही गाने के गीतकार रकीब आलम, वेंकट के. नारायण और किरण कुमार (डायरेक्टर) समेत अन्य संबंधित लोगों को भी नोटिस जारी किया गया है। सभी को 24 मार्च को आयोग के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। आयोग ने चेतावनी दी है कि तय तारीख पर उपस्थित न होने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। आयोग ने इस गाने के कथित अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर खुद संज्ञान लिया है। आयोग के मुताबिक, गाने के बोल पहली नजर में आपत्तिजनक और यौन संकेतों वाले लगते हैं, जो कानून का उल्लंघन कर सकते हैं।वहीं, गाने को लेकर मंगलवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने शिकायत मिलने पर सेंसर बोर्ड, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और गूगल इंडिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। बता दें कि गाने को मंगलवार को यूट्यूब और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।